दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
बलरामपुर
शनिवार, 06 जून 2026
वर्षः 05 अंक : 245 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर जारी, ...8

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

भारत ने हमारा फायदा उठाया...

ठोके गए टैरिफ को लेकर चीख पड़े ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान जहां वो भारत के साथ व्यापार को लेकर अपना दुख सुनाते दिख रहे हैं। लेकिन उसके बाद वह कहते हैं कि अब पासा पलट चुका है। ट्रंप ने सीधे शब्दों में कहा कि पहले भारत ने फायदा उठाया लेकिन अब पासा पलट चुका है और अमेरिका भारत के साथ व्यापार में अच्छा पैसा कमा रहा है। इस बयान में ट्रंप हले डेविल्सन जैसी अमेरिकी कंपनियों पर भारत की ओर से लगाए गए 200: की तारीफ पर शिकायत करते दिख रहे हैं। लेकिन इसके लिए वह खुद अमेरिका को दोषी बता रहे हैंऔर फिर पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें अपना अच्छा दोस्त बताया और यह भी कहा कि भारत के साथ अच्छी ट्रेड डील करने जा रहे हैं। दरअसल व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप का ये बड़ा बयान सामने आया। जहां पर ट्रंप ने कहा कि कई सालों तक भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टेरिफ यानी कि आयात शुल्क लगाया। ट्रंप ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक समय था जब भारत में अमेरिकी कंपनी हर्ली डेविडसन की मोटरसाइकिलों पर 200: तक का टेरिफ लगता था। जिसकी वजह से कंपनी को भारत में ही अपना प्लांट लगाना पड़ा। पहले भारत अमेरिकी सामान पर भारी टैक्स लगाता था। लेकिन जबकि अमेरिका भारत के सामानों पर ज्यादा शुल्क नहीं लगाता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं और अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में फायदा हो रहा है और जल्द भारत के साथ एक अच्छी ट्रेड डील होने जा रही है।

चीन के फुल कंट्रोल में है पाकिस्तान? पुतिन ने कुछ ऐसा जवाब

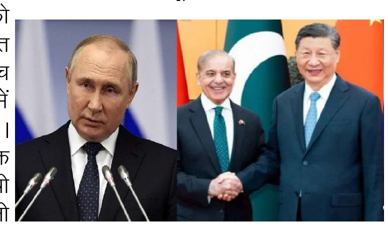

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि मॉस्को भारत और चीन के बीच ष्नाजुकष् संबंधों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद सहित आपसी हित के लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। सेंट पीटर्सबर्ग में मीडिया से बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस के नई दिल्ली और बीजिंग दोनों के साथ मजबूत संबंध हैं और उन्हें इन देशों के द्विपक्षीय मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता। पुतिन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत और चीन के बीच संबंध नाजुक और बहुआयामी हैं, और इनमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं है। बेशक, हम भारत और चीन दोनों में अपने मित्रों के साथ बातचीत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति शी और प्रधानमंत्री मोदी दोनों ही सीमा संबंधों सहित आपसी हित के सभी मुद्दों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। पुतिन की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब भारत और चीन ने 2020 के गलवान घाटी संघर्ष और चार साल से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद संबंधों में आए गंभीर तनाव को दूर करने के लिए पिछले एक साल में संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

खान सर पर एफआईआर, पुलिस की तलाश तेज, गिरफ्तारी की तैयारी

पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर हुई गोलीबारी की घटना में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। पुलिस ने खान सर की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। उनके खिलाफ पटना के कदमकुआं पुलिस स्टेशन में फायरिंग और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई उनके कोचिंग सेंटर से हुई गोलीबारी का वीडियो सामने आने के बाद की गई है। खान सर का कहना है कि गोलीबारी आत्मरक्षा में की गई थी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें एफआईआर की जानकारी नहीं है और वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि गार्डों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी और उनकी टीम इस मामले की जांच करेगी। खान सर के कोचिंग सेंटर पर पत्थरबाजी की घटना पर एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने कहा कि वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया है और गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके हथियार जब्त कर लिए गए हैं और जांच के लिए एफएसएल (थ्ैस्) को भेज दिए गए हैं। जांच के दौरान जो भी सबूत सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह कानून व्यवस्था से संबंधित हो या आपराधिक मामलों से। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षक खान सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

गंधर्व विवाह के नाम पर बहकाता था आईआईटी बाबा, लड़कियों को प्रसाद में नशीला पदार्थ देकर करता था दुष्कर्म

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी मथुरा से सामने आया एक सनसनीखेज मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। धर्म, आस्था और अध्यात्म की आड़ में युवतियों का यौन शोषण करने वाले एक स्वयंभू गुरु आईआईटी बाबा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान ओडिशा निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा के रूप में हुई है, जो खुद को "आदिकर्ता नारायण दास" बताकर धार्मिक प्रवचन करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने न केवल महिलाओं का मानसिक और शारीरिक शोषण किया, बल्कि आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियो के जरिये उन्हें तथा उनके परिवारों को ब्लैकमेल भी किया।

अभिषेक मिश्रा ने वर्ष 2017 से 2021 के बीच आईआईटी रुडकी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उच्च शिक्षा प्राप्त होने के बावजूद उसने आध्यात्मिक गुरु का चोला पहन लिया और मथुरा के राधाकुंज इलाके में पिछले लगभग चार वर्षों से रह रहा था। यहां वह खुद को कथावाचक और धार्मिक गुरु के रूप में प्रस्तुत करता था। युवाओं और महिलाओं के बीच प्रभाव बढ़ाने के लिए उसने "राधा कृपा अमृत" नाम से एक यूट्यूब चौनल भी बनाया था, जहां वह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रवचन देता था। इसके अलावा उसने अपने फर्जी नाम से सोशल मीडिया पर पेशेवर पहचान भी बना रखी थी।

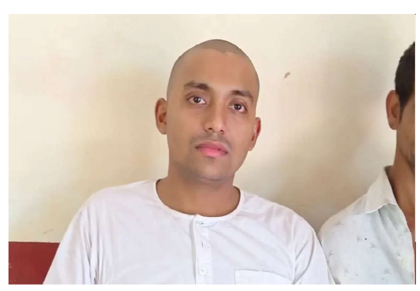

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी इन मंचों का उपयोग केवल धार्मिक प्रचार के लिए नहीं, बल्कि युवतियों को अपने जाल में फंसाने के लिए करता था। विशेष रूप से इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से जुड़ी युवतियों को वह निशाना बनाता था। वह पहले उनसे संपर्क करता, फिर धीरे धीरे उन्हें परिवार से दूर होने के लिए प्रेरित करता और अंततः अपने साथ रहने के लिए तैयार कर लेता था। पुलिस के अनुसार एक समय उसके मथुरा स्थित ठिकाने पर करीब 24 युवक और युवतियां साथ रह रहे थे। जांच एजेंसियों का आरोप है कि आरोपी युवतियों को "गंधर्व विवाह" का हवाला देकर अपने प्रभाव में लेता था। वह इसे प्रेम और आपसी सहमति पर आधारित प्राचीन विवाह परंपरा बताकर महिलाओं को बहकाता और फिर उनका शोषण करता था। आरोप है कि वह प्रसाद के नाम पर दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर पीड़िताओं को देता था। इसके बाद वह उनके साथ दुष्कर्म करता और पूरी घटना के वीडियो तथा तस्वीरें अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लेता था। मामले का खुलासा तब हुआ जब छत्तीसगढ़ की एक युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने धार्मिक विश्वास का फायदा उठाकर उसका शारीरिक शोषण किया और बाद में आपत्तिजनक वीडियो दिखाकर उसे धमकाया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों से कई आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो भी बरामद हुए हैं, जिन्हें जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

हिमाचल से पंजाब तक कांपी धरती, चंबा सहित कई जिलों में भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा व मंडी सहित कई स्थानों में भूकंप का बड़ा झटका महसूस किया गया है। शुक्रवार रात करीब 10 बजकर 3 मिनट पर भूकंप का झटका आया। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि लोग कंपन से ही घरों के बाहर आध गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5 मापी गई। भूंकप का क्षेत्र चंबा था। उल्लेखनीय है कि जिला कांगड़ा भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में भूकंप के झटके को लेकर लोगों में दहशत है। क्योंकि काफी सालों के बाद भूकंप का एक बड़ा झटका कांगड़ा जिला की धरती में महसूस किया गया है।

तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई...

गिलगित–बाल्टिस्तान में चुनाव कराने पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र में विधानसभा चुनाव कराने की पाकिस्तान की योजना पर शुक्रवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय (डम्।) ने साफ शब्दों में कहा कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के सभी क्षेत्र, जिनमें गिलगित–बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं।

भारत की पाक को चेतावनी : विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान द्वारा 7 जून 2026 को तथाकथित श्गिलगित–बाल्टिस्तान विधानसभाश के लिए आम चुनाव कराने की योजना भारत के संप्रभु अधिकारों का उल्लंघन है। मंत्रालय ने कहा कि ये क्षेत्र भारत के हैं, जिन पर पाकिस्तान ने अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है।

एमईए ने दोहराया कि 1947 में जम्मू–कश्मीर के भारत में पूर्ण, वैध और अपरिवर्तनीय विलय के बाद पूरा क्षेत्र भारत का हिस्सा है। भारत ने पाकिस्तान के उन सभी प्रयासों को खारिज किया, जिनके जरिए वह कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति में किसी प्रकार का श्भौतिक परिवर्तनश लाने की कोशिश कर रहा है। कब्जा खाली करे पाकः भारत

विदेश मंत्रालय ने कहा, श्भारत सरकार पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में किसी भी तरह के बदलाव के प्रयासों को सिरे से खारिज करती है। ऐसे कदम इस सच्चाई को नहीं छिपा सकते कि पाकिस्तान भारतीय क्षेत्रों पर अवैध कब्जा बनाए हुए है, जिन्हें उसे खाली करना चाहिए।

भारत ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्रों में मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और नागरिक स्वतंत्रताओं से वंचित करने जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। डम्। के अनुसार, पाकिस्तान के चुनाव कराने जैसे कदम इन मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश हैं, लेकिन इससे जमीनी हकीकत नहीं बदल सकती।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या मामले में सीबीआई ने यूपी से दो आरोपी किए गिरफ्तार, एक ने किया सरेंडर

लखनऊ। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के

सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और बलिया से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के सूत्रों के अनुसार, आरोपित विकास मिश्रा को लखनऊ के अशोक मार्ग पर स्थित एक होटल से जबकि गोलू सिंह को बलिया से गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में एक अन्य आरोपित ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू ने गुरुवार को बलिया की गैंगस्टर एक्ट अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था।

पीएम मोदी ने गिनाईं भारत की उपलब्धियां

हरित क्षेत्र और वन्यजीवों की आबादी में हुआ रिकॉर्ड इजाफा

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पिछले एक दशक में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत द्वारा हासिल की गई ऐतिहासिक सफलताओं को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की निरंतर नीतियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों के चलते देश के हरित आवरण (फॉरेस्ट कवर) का विस्तार हुआ है और कई दुर्लभ वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री ने सामूहिक प्रयासों, नीतियों, विज्ञान में विश्वास और नवाचार के माध्यम से पर्यावरण में सुधार लाने के उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए नागरिकों की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित सभी लोगों की मैं सराहना करता हूं।" मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि यह दिन हमें "अपने पर्यावरण की रक्षा करने और सतत विकास को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने की याद दिलाता है"। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में उनकी सरकार ने इस संबंध में कई पहलें की हैं। उन्होंने कहा, "भारत की कुछ प्रमुख उपलब्धियों में हरित क्षेत्र का विस्तार और कई जानवरों की आबादी में वृद्धि शामिल है।" विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष पांच जून को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके लिए कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के तहत 1973 में पर्यावरण दिवस मनाने की घोषणा की गई थी।

बंदे भारत जैसी स्पीड में दौड़ेगी 400 मेल/एक्सप्रेस, रेलवे का शानदार प्लान!

देश भर के लाखों रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि भारतीय रेलवे सैकड़ों मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की गति में उल्लेखनीय वृद्धि करने की तैयारी कर रहा है। खबरों के अनुसार, रेलवे बोर्ड ने एक महत्वाकांक्षी योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य भारत के प्रमुख मार्गों पर कई लंबी दूरी की ट्रेनों की अधिकतम गति को 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटे करना है। इस कदम से यात्रियों के लिए रेल यात्रा तेज, अधिक कुशल और अधिक आरामदायक होने की उम्मीद है, जिससे नियमित मेल और एक्सप्रेस सेवाएं राजधानी, शताब्दी और वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों के मानकों के करीब पहुंच जाएंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित उन्नयन के अंतर्गत लगभग 350 से 400 लंबी दूरी की मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें शामिल होने की संभावना है। यह योजना मुख्य रूप से उन ट्रेनों पर केंद्रित होगी जिनमें पहले से ही आधुनिक एलएचबी कोच लगे हुए हैं। जर्मन तकनीक पर आधारित ये कोच 160 किमी प्रति घंटे तक की गति से सुरक्षित रूप से चलने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे आवश्यक बुनियादी ढांचा उन्नयन पूरा होने के बाद ये उच्च गति संचालन के लिए उपयुक्त हो जाते हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर!

अन्नामलाई ने छोड़ी बीजेपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंजूर किया इस्तीफा

चेन्नई। कई दिनों से चल रही सियासी अटकलों और सस्पेंस पर शुक्रवार को आखिरकार विराम लग गया। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर युवा नेता और तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से अपना नाता तोड़ लिया है। बीजेपीके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से मंजूर कर लिया है। अन्नामलाई दोपहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने इस बड़े फैसले और भविष्य की राजनीतिक योजनाओं का खुलासा करेंगे। पार्टी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया श्भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, माननीय श्री नितिन नबीन ने तमिलनाडु के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री के. अन्नामलाई द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिए गए इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।ष यह घटनाक्रम पूर्व पैे अधिकारी अन्नामलाई के दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नबीन से मुलाकात करने के एक दिन बाद हुआ है। खब्बरों के मुताबिक, बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने अन्नामलाई से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। क्या होगा अगला कदम? (सियासी मायने): बड़ा सवालरू तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा द्रविड़ियन पॉलिटिक्स का दबदबा रहा है। ऐसे में अन्नामलाई ने राष्ट्रवाद और भ्रष्टाचार विरोधी छवि के दम पर बीजेपी के लिए एक जमीन तैयार की थी।

बीजेपी के साथ अन्नामलाई का जुड़ाव

अन्नामलाई IPS अधिकारी का पद छोड़ने के बाद 2020 में बीजेपी में शामिल हुए थे। अपने समर्थकों के बीच सिंघम के नाम से मशहूर इस पूर्व IPS अधिकारी को 2021 में बीजेपी की तमिलनाडु यूनिट का प्रमुख बनाया गया था। उन्होंने एल. मुरुगन की जगह ली थी, जिन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया गया था। तब से बीजेपी में अन्नामलाई का कद बढ़ता गया।

कॉकरोच जनता पार्टी का नया धमाल, अभिजीत ने कहा– स्वागत नहीं करोगे हमारा

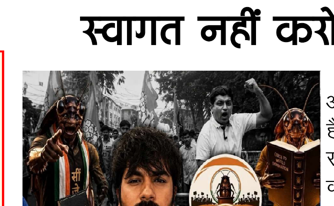

6 जून को दिल्ली में आखिर क्या होने वाला है? एक तरफ लाखों समर्थकों का दावा करने वाली कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन पर अड़ी हुई है। तो वहीं दूसरी तरफ सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बिना पुलिस अनुमति के आंदोलन कैसे होगा? पार्टी कह रही है कि पहले दिल्ली पहुंचेंगे फिर परमिशन मांगेंगे। लेकिन अगर अनुमति नहीं मिली तो क्या होगा? 6 जून से पहले यही सवाल राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक गूंज रहा है। दरअसल 6 जून को दिल्ली के जंतरमंतर पर प्रस्ताविक प्रदर्शन को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। पार्टी लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर आंदोलन का प्रचार कर रही है। लेकिन इस बीच एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

कर्नलगंज में खुलेआम बिक रही ताड़ी पर उठे सवाल,जिम्मेदार मौन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कर्नलगंज क्षेत्र के नरायनपुर मांझा और पिपरी गांवों में खजूर के पेड़ों से निकाली जा रही ताड़ी की कथित खुलेआम बिक्री को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बाहरी व्यक्तियों द्वारा लंबे समय से यह कारोबार संचालित किया जा रहा है, जबकि संबंधित विभागों और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का दावा है कि खजूर के पेड़ों से ताड़ी निकालने की प्रक्रिया के दौरान कुछ संदिग्ध गतिविधियां भी की जाती हैं।लोगों के अनुसार पेड़ों पर चढ़कर किसी प्रकार का तरल पदार्थ मिलाया जाता है, जिसके बाद उसे एकत्रित कर बिक्री के लिए तैयार किया जाता है। हालांकि इस दावे की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।मामले को लेकर जब मीडिया कर्मियों ने संबंधित हल्का दरोगा से जानकारी प्राप्त करनी चाही तो उन्होंने क्षेत्र में ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी होने से इनकार किया। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले करीब दो महीनों से यह कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है और इसकी जानकारी क्षेत्र के अधिकांश लोगों को है। मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब पुलिस से बातचीत के कुछ ही मिनटों बाद मीडिया कर्मियों के पास लगातार फोन कॉल आने लगे। बताया जाता है कि कुछ लोग कथित ताड़ी विक्रेताओं के पक्ष में सिफारिश करते हुए नजर आए। इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि संबंधित अधिकारियों को मामले की जानकारी नहीं थी तो मीडिया की पड़ताल की सूचना इतनी तेजी से संबंधित व्यक्तियों तक कैसे पहुंच गई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए। उनका मानना है कि यदि ताड़ी की बिक्री वैधानिक प्रावधानों के तहत की जा रही है तो प्रशासन को इसकी स्थिति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि किसी प्रकार की अवैध गतिविधि संचालित हो रही है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।क्षेत्र में यह मामला अब जनचर्चा का विषय बन चुका है। ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन और आबकारी विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी है। लोगों का कहना है कि निष्पक्ष जांच ही पूरे प्रकरण की वास्तविकता सामने ला सकती है और इससे उठ रहे तमाम सवालों का जवाब मिल सकेगा।

आज कर्नलगंज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संभावित दौरा, प्रशासन अलर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 6 जून को कर्नलगंज क्षेत्र के चकरौत गांव में संभावित आगमन को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। हालांकि कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन संभावित दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और अन्य संबंधित विभागों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।चकरौत गांव में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर अधिकारियों की आवाजाही लगातार बढ़ गई है। प्रशासनिक टीम व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रही है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे की सूचना के बाद क्षेत्र में हलचल बढ़ गई है और विभिन्न विभागों के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं।सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा कर सकते हैं। इसके अलावा बाढ़ पूर्व तैयारियों, सड़क निर्माण कार्यों, विद्युत आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था तथा कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी संभावित है।चकरौत गांव इससे पहले सरदार पटेल जयंती के अवसर पर आयोजित एकता यात्रा को लेकर भी चर्चा में रहा है। अब मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर गांव और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है।स्थानीय विधायक अजय सिंह भी कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की निगरानी में सक्रिय बताए जा रहे हैं। प्रशासनिक अमला कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी जारी किए गए हैं।यदि कार्यक्रम निर्धारित समय के अनुसार संपन्न होता है तो मुख्यमंत्री क्षेत्र की विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवाद कर विकास कार्यों की प्रगति का आकलन भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर पूरे कर्नलगंज क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है।

विकास को हरित और समावेशी बनाना समय की मांग– संजय असाटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर, 5 जून 2026। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनटीपीसी रिहंद में "प्र.ति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" थीम के तहत विविध पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख (रिहंद) संजय असाटी ने कहा कि 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण विकास सिद्धांत "सतत विकास" है, जिसका उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और पर्यावरण संरक्षण सतत विकास के तीन प्रमुख स्तंभ हैं तथा विकास को हरित और समावेशी बनाना आज की आवश्यकता है।कार्यक्रम के अंतर्गत लेक पार्क से शिवालिक गेस्ट हाउस (गोल्फ ग्राउंड) तक पर्यावरण पदयात्रा निकाली गई, जिसे संजय असाटी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा में एनटीपीसी रिहंद के अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं, बच्चे तथा विभिन्न यूनियनों और एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।पदयात्रा के समापन के बाद आयोजित समारोह में परियोजना प्रमुख सहित उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनटीपीसी गीत के साथ हुआ। पर्यावरण प्रबंधन समूह के विभागाध्यक्ष राजीव कुमार मित्तल ने रिहंद परियोजना द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। इस दौरान संजय असाटी ने एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक (प्रचालन) का पर्यावरण संदेश पढ़कर सुनाया तथा सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।कार्यक्रम में बालिका सशक्तिकरण अभियान 'सपनों की उड़ान–2026' की प्रतिभागी बालिकाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की। बालिकाओं ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित गीत, नुक्कड़ नाटक और नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया तथा प्र.ति संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया।इसके बाद आवासीय परिसर स्थित गोल्फ ग्राउंड में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परियोजना प्रमुख संजय असाटी, वर्तिका महिला मंडल की अध्यक्ष नीलू असाटी, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, बालिकाओं और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।अपने संबोधन में संजय असाटी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, कचरे का पृथक्करण, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग तथा पर्यावरणीय जागरूकता जैसे छोटे–छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन समूह) राघवेन्द्र नारायण सिंह ने किया।

एडीओ पंचायत संजय कुमार ने दिया हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीरनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एडीओ पंचायत संजय कुमार ने खंड विकास कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कार्यालय के मुख्य द्वार, पार्किंग स्थल और अन्य खाली स्थानों पर नीम, पीपल, बरगद, आम एवं जामुन के पौधे लगाए। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, युवाओं तथा खंड विकास कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया।इस अवसर पर सभी ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। ग्राम विकास अधिकारी सरमद खान ने कहा कि बढ़ता तापमान, घटता भूजल स्तर और बढ़ता प्रदूषण वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि पेड़–पौधे धरती की जीवनरेखा हैं और इनके संरक्षण से ही मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है।एडीओ आईएसबी शिव बहादुर ने कहा कि खंड विकास कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। यहां लगाए गए पौधे न केवल परिसर को हराभरा बनाएंगे, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे प्रेरित होकर लोग अपने घरों, गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर भी पौधारोपण करेंगे।एडीओ पंचायत संजय कुमार ने पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं लेने की बात कही। उन्होंने युवाओं से गांवों में खाली पड़ी भूमि, विद्यालय परिसरों और सड़क किनारों पर फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, कचरे का उचित निस्तारण करने और जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। खंड विकास अधिकारी अरजीत प्रकाश सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनसहभागिता से ही स्वच्छ, सुंदर और हरित गांवों का निर्माण संभव है।एपीओ अनंत राव ने कहा कि एक पौधा लगाना छोटा कदम अवश्य है, लेकिन यही प्रयास आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और बेहतर भविष्य प्रदान करेगा। उन्होंने सभी लोगों से वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने का आह्वान किया।इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी अवनीश गौड़, अक्षय कुमार, पिंकी कुमारी, रोजगार सेवक रामनयन यादव, राम अनुज शर्मा, भागवत वर्मा, धर्मेंद्र कुमार, फारूक सहित अन्य कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर खेसरहा ब्लॉक में हुआ पौधरोपण

एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रधानों ने लगाए पौधे

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को खेसरहा विकास खंड परिसर में एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व खंड विकास अधिकारी अमित कुमार सिंह एवं ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष शिवेंद्र द्विवेदी ने किया। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ग्राम प्रधानों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक–एक पौधा लगाकर प्र.ति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। वक्ताओं ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध रखने के साथ–साथ मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन, छाया एवं प्रा.तिक संतुलन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण आवश्यक है।खंड विकास अधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि श्एक वृक्ष माँ के नामश अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प है। उन्होंने लोगों से कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की।ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष शिवेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पूरे क्षेत्र को हरा–भरा बनाया जा सकता है।कार्यक्रम में मौजूद कर्मचारियों, ग्राम प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। श्एक वृक्ष सौ पुत्र समानश के संदेश के साथ संपन्न यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जन–जागरूकता का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान नीम, पीपल, बरगद, जामुन और आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए सभी पुलिसकर्मियों को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। लगातार बढ़ते तापमान और बदलते मौसम चक्र को देखते हुए वृक्षारोपण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ–साथ उनके संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष ध्यान देना होगा।वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने स्वयं अपने हाथों से पौधा लगाकर की। इसके बाद पुलिस लाइन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और परिसर में दर्जनों पौधे रोपे।अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनमानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पौधरोपण के प्रति भावनात्मक जुड़ाव विकसित करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित करना है।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन्स अमित कुमार, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदमन सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, प्रतिसार निरीक्षक रामबली यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

बकैनिहा बूथ पर वृहद कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत खेसरहा मंडल के बकैनिहा बूथ पर वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला मंत्री एवं डायरेक्टर दिलीप चतुर्वेदी ने कहा कि यह अभियान प्र.ति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खेसरहा मंडल अध्यक्ष दिवाकर मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण कर प्र.ति के संतुलन को बनाए रखने में अपना योगदान देना चाहिए।महामंत्री प्रिंस पांडेय के संचालन एवं संयोजन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं उनके पूर्ण विकसित होने तक संरक्षण करने का सामूहिक संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला कार्यसमिति सदस्य अमरनाथ पांडेय, महामंत्री जनक राम चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष शिव सनेही गौंड, नित्यानंद पांडेय, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष हरिकेश राजभर, संजू पांडेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जनपद में पात्र जोड़ों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक एवं पात्र जोड़े योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विवाह के इच्छुक जोड़े विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जनसेवा केंद्र अथवा स्वयं भी किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में अनुदान के रूप में भेजे जाते हैं, जबकि 25 हजार रुपये की उपहार सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। शेष धनराशि विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है।समाज कल्याण विभाग ने पात्र लाभार्थियों से समय रहते आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सिद्धार्थनगर में 6.23 लाख पौधरोपण का लक्ष्य, सांसद जगदंबिका पाल ने दिलाया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर ग्राम पंचायत पलिया टेकधर, विकास खंड नौगढ़ में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद ने की, जबकि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह तथा प्रभारी निदेशक सामाजिक वानिकी नीला एम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान तथा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में प्रदेश भर में एक ही दिन में पांच करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत सिद्धार्थनगर जनपद में 6.23 लाख पौधों का रोपण किया जा रहा है।सांसद ने कहा कि बढ़ते वैश्विक तापमान और पर्यावरण असंतुलन को रोकने के लिए वृक्षारोपण ही सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने जल संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि पेड़ों की जड़ें जल को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने वन विभाग, जिला प्रशासन तथा कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों को सफल आयोजन के लिए बधाई भी दी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान वृक्षारोपण से ही संभव है। उन्होंने बताया कि जनपद में 6.23 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं तथा स्कूलों, ग्राम पंचायतों और किसानों के सहयोग से इस अभियान को व्यापक रूप दिया जा रहा है। किसानों को पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं और मनरेगा के माध्यम से उन्हें सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने सभी नागरिकों से ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान में भाग लेने की अपील की। इस दौरान सांसद जगदंबिका पाल ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण का संकल्प भी दिलाया। इसके पश्चात सांसद, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, प्रभारी निदेशक सामाजिक वानिकी तथा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनंदन दुबे, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, एसडीओ वन विभाग बीना तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी, स्काउट–गाइड के सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और हरित भविष्य के प्रति जनपदवासियों की प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश बनकर उभरा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत पेट्रोल पंप स्थित माधव पार्क में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में आम, अमरूद, गुलमोहर सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्रोफेसर केपी त्रिपाठी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। यह दिन लोगों को वनों की कटाई रोकने, प्रदूषण कम करने तथा पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए सकारात्मक कदम उठाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचत तथा प्लास्टिक के कम उपयोग के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण के निर्माण के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रोफेसर केपी त्रिपाठी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, कुबेर बारी, मनोज यादव, रामशरन मौर्य, सभासद सत्यनारायण मौर्य, गुड्डू गुप्ता, बजरंगी वर्मा, सभासद प्रतिमा वर्मा, धर्मेंद्र, दीपू गौतम, धर्मेंद्र यादव, श्याम बाबू कनौजिया, योगेश यादव, धर्मेंद्र गुप्ता, रामबाबू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संतुलित आहार एवं कुपोषण से बचाव को लेकर सामुदायिक जागरूकता बैठक आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के नौगढ़ एवं बर्डपुर विकास खंड

में टाटा ट्रस्ट व पीपुल्स एक्शन फॉर नेशनल इंटीग्रेशन पानी संस्था के सहयोग से न्यूट्रिशन परियोजना संचालित है, इस परियोजना के अंतर्गत बच्चों में कुपोषण की रोकथाम तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण सुधार हेतु लगातार सामुदायिक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। प्रति माह की तरह आज ग्राम बर्डपुर 10 के आंगनबाड़ी केंद्र देवरा चौधरी में सामुदायिक बैठक आयोजित की गई, बैठक में महिलाओं एवं समुदाय के सदस्यों को गतिविधि के माध्यम से संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, एनीमिया से बचाव, बच्चों के सही पोषण, साफ–सफाई तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां दी गईं। इस दौरान बताया गया कि गर्भावस्था एवं धात्री अवधि में पौष्टिक एवं संतुलित भोजन का सेवन अत्यंत आवश्यक है। साथ ही बच्चों को समय पर पूरक आहार, टीकाकरण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में समुदाय की महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता की तथा पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और यह बैठक समुदाय के सहयोग से आयोजित की गई, इस दौरान एकजुट संस्था के विकास, अनुष्का, दीपक शुक्ला ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर अवधेश दुबे ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ,सीएचओ साधना,पंचायत सहायक गोल्डी एवं आशा, आंगनवाड़ी, व पानी संस्थान के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद न्यायालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण, जल एवं पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर परिसर में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं पृथ्वी संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण त्रिभुवन नाथ, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण अरविन्द कुमार राय तथा माननीय प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अखिलेश कुमार पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष पृथ्वी के जीवनदायी आधार हैं और जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण

तथा जल संकट जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता है। अधिकारियों ने जल संरक्षण के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि जल जीवन का आधार है। इसके संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को जन–आंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। साथ ही सभी उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत एवं सामूहिक स्तर पर सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखना, जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष परवेज अहमद, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) बीरेन्द्र कुमार, अपर जनपद न्यायाधीश एफटीसी प्रथम कनिष्क कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुभव कटियार, सिविल जज (सीडी)/एफटीसी एवं प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वकील, अपर सिविल जज (जू.डि.) कक्ष संख्या–2 शिवेन्द्र शर्मा, स्थायी लोक अदालत के सदस्य जयशंकर प्रसाद मिश्र एवं कृष्ण कुमार चतुर्वेदी, क्षेत्रीय वन अधिकारी खेसरहा सुशील कुमार सहित जनपद न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी तथा आमजन उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर की प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने हरित, स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण के निर्माण हेतु अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। यह जानकारी प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर वकील द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

खेसरहा में दो सौ वर्ष पुराने दलदला पुल के बगल में बनेगा नया पुल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। बांसी–खलीलाबाद मार्ग पर स्थित के पास बरार नाले पर बना है। स्थानीय लोगों के अनुसार इसका जा रहा है। लोगों का कहना है कि नए पुल से यात्रा का समय

ऐतिहासिक दलदला पुल से जल्द ही राहगीरों को राहत मिलने वाली है । करीब दो सौ वर्ष पुराने इस जर्जर पुल के बगल में नए पुल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग की देखरेख में चार करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस पुल का फिलहाल फाउंडेशन कार्य चल रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था काफी सुगम हो जाएगी। राज्य मार्ग संख्या–88 पर स्थित यह पुल बेलौहा बाजार निर्माण शेरशाह सूरी के समय कराया गया था। वर्षों पुराने इस पुल की चौड़ाई कम होने और मोड़ होने के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बनती रही है। पुल की रेलिंग भी कई जगह टूट चुकी है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। प्रतिदिन दो हजार से अधिक छोटे–बड़े वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। वर्तमान में बांसी से नंदौर तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य भी चल रहा है। ऐसे में नए पुल का निर्माण क्षेत्रीय लोगों के लिए बड़ी सौगात माना कम होगा और दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग बांसी विवेक राय ने बताया कि पुल निर्माण के लिए एक वर्ष का समय निर्धारित किया गया है, लेकिन प्रयास है कि अक्टूबर–नवंबर तक कार्य पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि पुराना पुल अभी मजबूत है, इसलिए उसे तोड़ा नहीं जाएगा और निर्माण पूरा होने के बाद दोनों पुलों से आवागमन जारी रहेगा।

खेसरहा विकास खंड में जहां गूंजती थीं शहनाइयां, वहां अब रख रहे भूसा

दैनिक बुद्ध का संदेश / शंशाक मिश्रा

खेसरहा। कभी जिस विवाह घर में शहनाइयों की गूंज सुनाई देती थी, जहां गांव की बेटियों की विदाई होती थी और शादी–विवाह समेत अन्य मांगलिक कार्यक्रमों की रौनक रहती थी, वहां आज भूसे के ढेर और लकड़ियां रखी जा रही हैं। खेसरहा विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत कठमोरवा में वर्ष 2010–11 में लगभग 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित विवाह घर जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार भवन की खिड़कियां, दरवाजे और हैंडपंप तक गायब हो चुके हैं। चारदीवारी भी कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई है। करीब 2200 की आबादी वाले इस गांव को बसपा शासनकाल में अंबेडकर गांव के रूप में चयनित किया गया था। विशेष बजट जारी कर ग्राम पंचायत निधि से इस विवाह घर का निर्माण कराया गया था। लगभग आठ वर्षों तक गांव और आसपास के क्षेत्र के लोग शादी–विवाह समेत अन्य सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रम इसी भवन में आयोजित करते रहे। देखरेख और मरम्मत के अभाव में भवन की स्थिति लगातार खराब होती चली गई। वर्ष 2018 के बाद यहां न तो कोई बारात ठहरी और न ही कोई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित हुआ।

अब भवन के कमरों में भूसा और लकड़ियां रखी जा रही हैं। गांव निवासी राम वृक्ष वर्मा ने बताया कि गांव में हर वर्ष करीब आठ से दस मांगलिक कार्यक्रम होते हैं। पहले लोग विवाह घर का उपयोग करते थे, जिससे कम खर्च में कार्यक्रम संपन्न हो जाते थे। उन्होंने कहा कि अब लोगों को टेंट हाउस और निजी स्थलों का सहारा लेना पड़ता है, जिस पर 50 से 60 हजार रुपये तक खर्च करना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह बड़ी समस्या बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विवाह घर की दुर्दशा के संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्राम प्रधान ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में चार बार खंड विकास अधिकारी को पत्र भेजकर विवाह घर की मरम्मत के लिए बजट उपलब्ध कराने की मांग की गई, लेकिन अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत नहीं हो सकी। वहीं एडीओ पंचायत विकास चौधरी ने कहा कि मामले की जानकारी उन्हें मिली है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के सचिव से भवन की स्थिति का निरीक्षण कराने के बाद ग्राम पंचायत निधि से चरणबद्ध तरीके से मरम्मत कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विवाह घर को फिर से उपयोग योग्य बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिले से दो क्षेत्राधिकारियों का हुआ तबादला

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिले के दो सीओ का गैर जनपदों मे ट्रांसफर किया गया है। बलरामपुर की सीओ ज्योतिश्री को कानपुर भेजा गया है जबकि उतरौला में तैनात रहे सीओ राघवेंद्र सिंह का ट्रांसफर सुल्तानपुर जिले के लिए हो गया है। जिले में दो नये सीओ भेजे गये हैं। कौशांबी जिले में तैनात रहे अभिषेक सिंह व लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात अभय प्रताप सिंह को जिले में तैनाती मिली है। हांलाकि 29 मई को जिले से तीन पुलिस इंस्पेक्टरों जिनमें उतरौला के कोतवाल अवधेश कुमार राज भी शामिल हैं उनका स्थानांतरण गैर जनपदों में किया गया था लेकिन उन्हें अभी कार्यमुक्त नहीं किया जा सका है।

सम्पादकीय

उन्हें 'भारत का बोल्ट' कहा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने यह दौड़ मात्र 10 सेकंड्स में पूरी की। बैडमिंटन में साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, महानतम प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, किदांबी श्रीकांत की नई पीढ़ी में आयुष शेट्टी, दिव्या, उन्नति हुड्डा, मालविका सरीखे नवोदित चौंपियन सामने आए हैं। हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती आदि खेलों में कई नए चेहरे, नए चौंपियन पहलवान आज ...

किससे तुलना करें तुम्हारी?

बेशक आरसीबी को लगातार, दोबारा आईपीएल चौंपियन बनाने में 'विराट किंग' कोहली का सर्वश्रेष्ठ योगदान रहा है। विराट रिटायरमेंट की दहलीज के भीतर आ चुके हैं। टेस्ट और 'ताबड़तोड़' टी–20 क्रिकेट से वह संन्यास ले चुके हैं। वह उम्र के ऐसे पड़ाव पर आ चुके हैं, जहां गेंद और बल्ले के समन्वय धुंधलाने लगते हैं। शॉट्स गलत साबित होने लगते हैं। विराट ने इन विरोधाभासों और अवरोधों को पछाड़ते, नकारते हुए आईपीएल, 2026 में 675 रन ठोंके हैं। एक शतक और पांच अर्द्धशतक तथा 56 से अधिक का औसत३! निश्चित ही वह 'विराट' और अतुलनीय हैं, लेकिन यह टूर्नामेंट एक 15–वर्षीय किशोर बल्लेबाज की विस्फोटकता की चर्चा के बिना अधूरा ही रहेगा। वह अद्भुत बालक है–वैभव सूर्यवंशी। वास्तव में वैभव ही आईपीएल, 2026 के 'उन्नायक खिलाड़ी' हैं। उन्हें टूर्नामेंट का 'बेशकीमती खिलाड़ी' (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट), सबसे उभरता हुआ खिलाड़ी, दिग्गज खिलाडियों की मौजूदगी के बावजूद 72 छक्कों का 'किंग', सबसे जानदार, शानदार, झन्नाटेदार स्ट्राइक रेट, 'ओरेंज कैप' विजेता (आश्चर्यजनक 776 रन), जिसमें एक शतक के अलावा 97, 96 रनों की दो पारियां भी शामिल हैं, उन्हें घोषित किया गया। सम्मान में कुल 3.10 करोड़ रुपए दिए गए। टाटा सिएरा कार भी मिली। यह राशि तब बनी है, जब वैभव की अनुबंध राशि 1.10 करोड़ रुपए और प्रति मैच फीस 7 लाख रुपए थी। अगले साल उनकी आईपीएल कीमत क्या होगी, आप कल्पना कर सकते हैं। 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन की टिप्पणी सटीक और सार्थक है कि इस उम्र में वह कंचे, गुल्ली–डंडा जैसे खेल भी अच्छी तरह नहीं खेल पाते थे। यह सार्वभौमिक सत्य लगता है, क्योंकि हमने मंसूर अली खां पटौदी, सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, सहवाग, रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव से लेकर मौजूदा दौर के युवा छक्केबाजों का खेल निरंतर देखा है। यकीनन सभी मूल्यवान, अतुलनीय खिलाड़ी रहे हैं और आज भी हैं, लेकिन 15 साल का वैभव वाकई 'अद्वितीय' है। क्या आईपीएल के एक सत्र में 72 छक्कों की कल्पना की गई थी? वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 59 छक्के 'चुनौतीहीन' लगते थे और गेल एक अनुभवी बल्लेबाज भी थे, लेकिन 15 साल की उम्र और 145, 150 किमी. की गति वाली, तूफानी गेंदबाजों की, गेंदों पर एक बालक के धुआंधार छक्के३.वाकई करिश्मा लगता है! सचमुच 'अकल्पनीय' है यह! किसने गढ़ा है इस 'धुरंधर' बल्लेबाज को..? आखिर उसकी तुलना किस महान खिलाड़ी से करें? क्रिकेट में छक्कों के विश्व चौंपियन रोहित शर्मा हैं। आंकड़ों में वह भी इस 'बालक छक्केबाज' से पीछे हैं। बहरहाल कुदरत ने कुछ खेल–प्रतिभाएं, कुछ सनसनीखेज खिलाड़ी, भारत की झोली में बख्शे हैं। वे सभी हमारी धरोहरें हैं, कीर्तिमान हैं, देश की आन–बान–शान हैं। इन्हें सहेज कर रखना है और वैश्विक स्तर पर तराशते रहना है। आजकल विश्व शतरंज में दिव्या देशमुख, विश्व चौंपियन गुकेश, चौंपियनों को धूल चटाने वाले प्रज्ञाननंदा, युवा सनसनी चिदंबरम की खूब चर्चा है। उन्होंने भारत को, खासकर तमिलनाडु को, शतरंज का गढ़ बना दिया है। उनके अलावा 100 मीटर दौड़ में धावक गुरिंदरवीर सिंह ने महानतम मिल्खा सिंह की स्मृतियां ताजा कर दीं। उन्हें 'भारत का बोल्ट' कहा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने यह दौड़ मात्र 10 सेकंड्स में पूरी की। बैडमिंटन में साइना नेहवाल, पीवी सिंधु, महानतम प्रकाश पादुकोण, पुलेला गोपीचंद, किदांबी श्रीकांत की नई पीढ़ी में आयुष शेट्टी, दिव्या, उन्नति हुड्डा, मालविका सरीखे नवोदित चौंपियन सामने आए हैं। हॉकी, क्रिकेट और कुश्ती आदि खेलों में कई नए चेहरे, नए चौंपियन पहलवान आज हमारी 'सांस्कृतिक संपदा' हैं। वैभव भी इसी जमात के क्रिकेटर हैं। होनहार खिलाडियों की सूची बहुत लंबी है, लिहाजा सभी का नाम देना संभव नहीं है, लेकिन यह देश के लिए चुनौती भी है। भारत अंतरराष्ट्रीय, खासकर ओलिंपिक खेलों में, बहुत पिछड़ा देश रहा है। कई बार हमारी झोली खाली भी रही है, लेकिन जो नाम उभर कर सामने आ रहे हैं और 2028 के ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट भी होगी, तो भारत उम्मीदें रख सकता है।

गर्दन से बाहर पर्यटन

हाथों में तलवार–पिस्तौल लिए कौन पर्यटक हो सकता है, लेकिन हिमाचल में ऐसे परिदृश्य से पर्यटक सीजन गुजर रहा है। पर्यटक सीजन अगर कानून व्यवस्था का उल्लंघन बनता जा रहा है, तो इस मंजर को समझना होगा। समझना होगा कि सडकों पर वीभत्स दृश्य क्यों उभर रहे हैं। क्यों कोई कार वाला दराट निकाल कर ट्रक पर प्रहार कर रहा है या वाहनों की छत से बाहर गर्दनें शोर–शराबा कर रहीं। हम अत्यधिक पर्यटन के शिकार होने के बावजूद जिन्हें सैलानी मान रहे हैं, वे दरअसल भीड़ के संवाहक हैं। हमारी पर्यटन योजनाएं सडकों पर हांफ रही हैं। बढने वाहन, अंधाधुंध निर्माण, गंदगी का आलम, जलापूर्ति का अभाव, महंगाई का प्रभाव और उपेक्षा में गतिशील होता आवागमन, प्रदेश की छवि को मलियामेट कर देगा। लगभग हर पर्यटक सीजन अपने साथ नकारात्मक पहलू जोड़ देता है और आगंतुक पहाड़ को कोसते लौट जाते हैं। न मौसम, न पानी और न ही सुकून हिस्से आता है, तो फिर कंक्रीट के बीच कौन हिल स्टेशन को अंगीकार करेगा। हम रिकार्ड के कायल हैं, इसलिए लक्ष्य यह कि पांच करोड़ सैलानी बुलाने की घोषणा कर देते हैं। आज अगर हिमाचल पर्यटन की तिजोरी अटल टनल में खुल रही है, तो रोजाना ग्यारह से बारह हजार वाहनों का बीच से गुजर जाना, हमारी समस्या है। अगर शिकारी देवी में आस्था की मर्यादा टूट कर सैलानी खोजती है, तो कल यह स्थिति और विकराल होगी। वाहन रेंगते हुए बीड़–बिलिंग की सडकों को रौंद देते हैं, तो यह कुफ्र की सौगात है। हम पर्यटन के नाम पर अपनी कमजोरियां कब तक छुपाएंगे। ये ट्रैफिक जाम के सिलसिले राजधानी शिमला को इतना बदसूरत बना देते हैं कि कहीं देवदार के पौधे परेशान हो उठते हैं। आखिर हमारे पर्यटक शहरों की क्षमता का अति दोहन, विनाश की ओर ही अग्रसर है। फिर वही तोहमतें, आपसी टकराव और बेहूदा पर्यटन, कसोल, धर्मकोट और भागसूनाग में आकर तांडव करता है, तो डलहौजी और कसौली भी द्वंद्व कर बैठते हैं। वाहन टकराते हैं या आगे गुजरने की दौड़ में भयंकर उत्पात मचाते हैं। ऐसे में पर्यटन की व्यवस्था कायम करने की जरूरत है और यह हिमाचल के एंट्री प्वाइंट्स से शुरू होनी चाहिए ताकि वाहनों से आपत्तिजनक सामग्री हटाई जा सके। पर्यटन के भागीदार यानी होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी–बस आपरेटर तथा टूअर आपरेटर की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। टूरिस्ट डेस्टिनेशन के चार–पांच प्रमुख केंद्रों पर पुलिस टास्क फोर्स या पर्यटन पुलिस की स्थापना, सार्वजनिक परिवहन या रज्जु मार्गों की व्यवस्था, परिवहन की आचार संहिता, टूअर पैकेज का निर्धारण तथा सबसे अहम है पार्किंग की व्यवस्था। कांगड़ा के मकलोडगंज–बीड़ से करीब 60–70 वोल्वो बसें चलती हैं, तो इनके लिए व स्थानीय बसों के लिए अलग से बस स्टैंड बनाने होंगे। प्रमुख पर्यटक एवं धार्मिक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही पर्यटक वाहन पार्क करवा कर आगे का सफर सार्वजनिक परिवहन सेवा या रज्जु मार्गों द्वारा संचालित करें, तो सैलानियों में शिष्टाचार की भावना आएगी। पर्यटक गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए ऐप के जरिए पंजीकरण करते हुए दिशा–निर्देश जारी करने होंगे। इसी के तहत स्टे की बुकिंग तथा पर्यटन सर्किट केंद्रित संचालन की व्यवस्था करनी होगी।

सभ्य समाज में हिंसा की जगह नहीं

विधानसभा चुनावों में थोड़ी–बहुत दूरी इंडिया के घटक दलों में नजर आई तो भाजपा और मीडिया दोनों ने इसे इंडिया गठबंधन का टूटना ही बताया। लेकिन यह उनकी खुशफहमी से ज्यादा कुछ नहीं था। बंगाल, बिहार जैसे राज्यों को जीतने के बाद भाजपा ने जिस तरह का नफरती माहौल विपक्ष के लिए बना दिया है, उसके बाद विपक्ष का यह दावा और सच साबित हो रहा है कि भाजपा से लोकतंत्र और संविधान दोनों को खतरा है...

आखिरकार वे सारी आशंकाएं सही साबित हो रही हैं, जिनका डर विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी बरसों से दिखा रही थी। भाजपा ने संविधान और लोकतंत्र को दांव पर लगा दिया, यह अब महज आरोप नहीं रह गया है। राहुल गांधी ने कहा था कि नफरत का केरोसिन पूरे देश में छिड़क दिया गया है और अब उसी से चिंगारी भड़काई जा रही है। प. बंगाल में विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों के साथ भीड़ ने जो हिंसा की, वह इसी चिंगारी भड़कने का नतीजा है। संविधान और लोकतंत्र को कुचलने की साक्षात तस्वीर है। शनिवार को प.बंगाल के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी चुनाव बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने जा रहे थे, तब उन पर पहले से इकत्रा भीड़ ने अंडे और पत्थर फेंके, उनके साथ धक्का–मुक्की की। अभिषेक बनर्जी के किसी साथी ने उन्हें फौरन हेलमेट पहनने दिया, जिससे उनके सिर पर पत्थर नहीं लग सका। अन्यथा इस घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें से एक में नजर आ रहा है कि एक व्यक्ति ने बड़ा सा पत्थर उन पर निशाना लगाकर फेंका है। इस घटना को चंद घंटे नहीं बीते थे कि टीएमसी के ही एक अन्य सांसद कल्याण बनर्जी पर इसी तरह हमला हुआ, जिसमें उनके सिर पर चोटें आई हैं। लोकतंत्र को लहूलुहान होते देखने को ही क्या अच्छे दिन कहना चाहिए, अब यह जनता को सोचना होगा। प.बंगाल में चुनाव जीतने के फौरन बाद ही टीएमसी कार्यालयों में तोड़फोड़ और आगजनी की कई घटनाएं हुई थीं।

टीएमसी के कई कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट भी हुई थी। हालांकि उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि बदले की नहीं बदलाव की राजनीति होगी। तो क्या श्री मोदी के मुताबिक बदलाव की यही परिभाषा है कि अराजक भीड़ को हिंसा की छूट मिले और पुलिस प्रशासन मौके से गायब दिखें। चुनाव कवरेज गौरतलब है कि भाजपा नेता अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों को गलत तो कह रहे हैं लेकिन साथ में यह जोड़ना नहीं भूल रहे कि बंगाल का यही रक्त चरित्र रहा है और टीएमसी के लोग भी इसी तरह की गुंडागर्दी किया करते थे। यह तो वही बात हुई कि एक गलत के बदले आप दूसरा गलत करें और उसे अतीत के आधार पर सही साबित करने की कोशिश करें। बंगाल की सुवेन्दु अधिकारी सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने तो यहां तक कह दिया कि जनता टीएमसी से नाराज है तो इन लोगों को घर से नहीं निकलना चाहिए। यानी भाजपा यह स्वीकार कर रही है कि भीड़ की हिंसा जायज है और उसे रोकने की क्षमता भाजपा सरकार में नहीं है। दिलीप घोष ने यह भी कहा कि अभिषेक बनर्जी को हीरो बनने की क्या जरूरत थी। कितनी अजीब बात है कि एक जनप्रतिनिधि अगर जनता के बीच जाए तो उसे हीरो बनना कहा जा रहा है। याद कीजिए कि नरेन्द्र मोदी को भी पंजाब के पिछले विधानसभा चुनाव में ऐसे ही हीरो बनने का मौका मिला था, जब थोड़े से किसान उनके काफिले के रास्ते में थे और अपनी शिकायत दर्ज करवाना चाहते थे। तब तो श्री मोदी उनका सामना करने की जगह वापस लौट गए, अपनी रैली रद्द कर दी और पुलिस से कहा कि अपने मुख्यमंत्री से कहना मैं जिंदा लौट गया। देश ने पहली बार किसी प्रधानमंत्री को जनता से इस तरह बचकर लौटते देखा था। प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो किसानों से मिलते, उनकी नाराजगी को सुनते और हीरो बन जाते। लेकिन मोदी न खुद हीरो बने न चाहते हैं कि दूसरा कोई इस तरह की हिम्मत दिखाए। बहरहाल, भाजपा चाहे न चाहे, लेकिन विपक्ष के तमाम बड़े नेता इसी तरह जनता के बीच जाते रहते हैं। उनकी विचारधारा कुछ भी हो और आपसी मतभेद चाहे जितने हों, लेकिन इन सबमें एक बात सामान्य है कि अपने विरोधियों को वे दुश्मन की तरह नहीं मानते हैं। लोकतंत्र में विचारों की असहमति पर विपक्ष के नेताओं का यकीन बरकरार है। प.बंगाल की इस घटना ने अब एक बार फिर समूचे विपक्ष को एक साथ आने और भाजपा के खिलाफ आवाज उठाने का मौका दिया है। शनिवार से लेकर रविवार तक इंडिया गठबंधन के लगभग तमाम बड़े नेताओं ने ममता बनर्जी से बात की, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले की निंदा की और भाजपा के शासन में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर लोकतंत्र को लेकर चिंता व्यक्त की।

ध्यान रहे कि जून 2023 में विपक्ष के 16 दल बिहार में एक साथ बैठे थे और भाजपा के खिलाफ खड़े होने पर मंथन किया था तो इंडिया गठबंधन बनने की राह निकली, जिसने 2024 के चुनाव में भाजपा को महज 240 सीटों पर समेट दिया था। 2024 से 2026 तक इंडिया गठबंधन के दल आमतौर पर एकजुट ही रहे और संसद में भी कई मुद्दों पर उन्होंने मिलकर मोदी सरकार को झुकाया।

शर्मिंदगी का पर्यटन

कायदे से पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रियों को सीमित संख्या में आने की ही अनुमति होनी चाहिए। और नियमों का पालन बेहद कड़ाई से होना चाहिए ताकि प्राकृतिक व्यवस्था बनी रही। लोगों की बेतहाशा भीड़ से नाजुक पहाड़ी स्थलों पर कितना दबाव बढ़ चुका है, इसका पता तब चलता है जब केदारनाथ जैसे हादसे होते हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर अश्वल वेदर रोड बनाने, पहाड़ों को काटकर होटल बनाने ...

बीते दिनों कुछ ऐसी खबरें देखने और सुनने मिली हैं, जिनसे पर्यटन पर नयी बहस शुरु होने की गुंजाइश बनी है। पर्यटन की भारत में प्राचीन परंपरा रही है। साधु, संत, फकीर एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर जीवन के अनुभवों और नैतिकता के ज्ञान से लोगों को समृद्ध करते थे। उन्हें भोजन–पानी की तकलीफ न हो, इसका ख्याल समाज का संपन्न तबका कर लेता था। धार्मिक पर्यटन भी पुराने जमाने के लोग खूब किया करते थे और तमाम तकलीफें उठाकर अपने आराध्य के दर्शन के लिए जाते थे। इन साधुओं, फकीरों और श्रद्धालुओं के लिए आज भी देश में जगह–जगह धर्मशालाएं और सरायें बनी हुई हैं। लेखक–पत्रकार भी नयी खबर, नयी रचना की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान जाते थे और उदार मन, खुले दिल–दिमाग के साथ समाज के नए पहलुओं से परिचित होते थे। नौकरी या कारोबार के सिलसिले में भी लोगों को देशाटन करना पड़ता था। वक्त के साथ पर्यटन को बाकायदा उद्योग में बदल दिया गया है। अब लोग केवल यह तय करते हैं कि उन्हें कहां घूमने जाना है, बाकी सारा इंतजाम पर्यटन क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां कर देती हैं। होटल की बुकिंग से लेकर दर्शनीय स्थलों की सैर और खरीदारी तक सब जिम्मा कंपनी के लोगों का होता है। यात्रियों को केवल इन सुविधाओं का भुगतान करना होता है। इस सब में कोई बुराई नहीं है, बल्कि अच्छी बात है कि रोजगार का एक नया आयाम खुला है। लेकिन इतनी सुविधाओं के बावजूद विचारणीय पहलू यह है कि क्या पर्यटन का असली मकसद पूरा हो पा रहा है। अर्थात क्या हम नयी जगहों, नयी संस्कृतियों को देखने–समझने का नजरिया विकसित कर रहे हैं या फिर महज सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालने के लिए घूम रहे हैं। तस्वीरें खिंचवाने में भी कोई समस्या नहीं है, क्योंकि आखिर को यह भी आपकी यादों की धरोहर ही बनेगी। लेकिन इसमें क्या हम यानी भारतीय ऐसी उच्छृंखलता का परिचय दे रहे हैं, जिससे दुनिया को हम पर उंगली उठाने का मौका मिल रहा है, यह भी सोचने की बात है। दरअसल कुछ दिनों से एक वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहा है, जिसमें वियतनाम के एयरपोर्ट पर विमान के पास ही भारतीय पर्यटकों का एक समूह उत्साह से गरबा करता दिख रहा है। इस समूह में स्त्री–पुरुष–बच्चे सब हैं। पास में खड़े वियतनामी कर्मचारी और अन्य लोग हैरानी से इस समूह को देख रहे हैं। गरबा करने वाले समूह को देखकर अनुमान लगाया जा सकता है कि ये लोग गुजरात से आए होंगे। कुछ समय पहले दुबई के प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा में भी यात्री दल के गरबा करने का वीडियो सामने आया था। वियतनाम वाला वीडियो चर्चा में आने के बाद और भी ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिसमें कहीं द ग्रेट वॉल ऑफ चाइना के सामने गरबा हो रहा है, कहीं नियाग्रा जलप्रपात के सामने। ऐसे ही वियतनाम में सुप्रसिद्ध ट्रेन स्ट्रीट पर कुछ यात्रियों ने छैंय्या छैंय्या गीत पर नृत्य करते हुए वीडियो बनाया। बता दें कि यह ट्रेन स्ट्रीट इसलिए प्रसिद्ध है क्योंकि यहां घर और दुकानें ट्रेन की पटरी के एकदम करीब हैं और जब ट्रेन आती है, तो लोग वहां से हट जाते हैं। लेकिन इस जगह पर रहने वालों ने शायद ही कभी सोचा होगा कि अब ट्रेन स्ट्रीट का नाम इस तरह से भी चर्चा में आएगा। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर डालने वाली युवती ने लिखा भी कि अगर ट्रेन स्ट्रीट आए और श्छैंय्यां–छैंय्यांश गाने पर डांस न किया तो क्या ही घूमना हुआ। इस वाक्य से ही आज के संपन्न पर्यटकों की मानसिकता समझी जा सकती है, जिनके लिए विदेश घूमने में भी महत्वपूर्ण एक नए देश के आचार–विचार, रहन–सहन को देखना–समझना नहीं है, बल्कि वायरल हो सके, ऐसी रील बनाना है। गरबा हो या कोई और नृत्य, उनके लिए नृत्यशालाएं हैं, क्लब्स हैं या सामाजिक–सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच उपलब्ध हैं। पर्व–त्यौहारों पर भी अपने उत्साह को प्रकट करने के लिए सड़क से लेकर मैदान तक नृत्य करने की छूट देश में मिली ही हुई है। फिर किसलिए हम विदेश जाकर भारतीय संस्कृति के नाम पर ऐसे नृत्य करते हैं, यह बात अब भारतीय पर्यटकों को सोचनी चाहिए। क्या इससे देश का नाम खराब नहीं होता है। प्रधानमंत्री मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में अक्सर उपदेशात्मक बातें लोगों से कहते हैं, तो क्यों न अगली बार वे पर्यटकों को समझदारी से घूमने की सलाह दें ताकि लोग भारतीयों पर सवाल न उठाएं। दरअसल भारतीय कारोबारी हर्ष गोयनका ने 2019 में स्विट्जरलैंड के एक होटल का नोटिस शेयर किया था, जिसमें श्भारत से आए प्रिय मेहमानोंश को संबोधित करते हुए कहा गया था कि बुफे का खाना साथ न ले जाएं, दिए गए कटलरी का ही उपयोग करें और गलियारे तथा बालकनी में शोर न मचाएं। श्री गोयनका ने उस वक्त लिखा था कि, श्यह नोटिस पढ़कर मन में गुस्सा आया, अपमान हुआ और विरोध करने का मन किया। लेकिन फिर एहसास हुआ कि हम पर्यटक के रूप में शोरगुल करने वाले, असभ्य और सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील हैं। अभी वियतनाम वाले वीडियो के बाद फिर से इसी नोटिस को हर्ष गोयनका ने शेयर करते हुए ऐसी ही कुछ और घटनाओं की याद दिलाई है, जिनसे भारतीय पर्यटकों के व्यवहार पर शर्मिंदगी महसूस होती है। विदेश के साथ–साथ देश में भी पर्यटन स्थलों का हाल यात्रियों के बेलगाम व्यवहार और सरकारों की अकर्मण्यता के कारण बुरा हो चुका है। बीते कई दिनों से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, लद्दाख आदि पहाड़ी राज्यों से खबरें आ रही हैं कि पहाड़ों पर कई–कई किलोमीटर का लंबा जाम लगा हुआ है।

महायोगी के जन्मोत्सव पर तपसी धाम में उमड़ी आस्था:289 'रक्तवीरों' ने लहू दान कर मनाया गोरक्षपीठाधीश्वर का जन्मदिन

डीआईजी, एसपी और प्रदेश महामंत्री ने कहा मानव सेवा का यह बस्ती मॉडल पूरे प्रदेश के लिए बनेगा उदाहरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जब संकल्प में प्रामाणिकता और नेतृत्व में निष्ठा हो, तो आयोजन इतिहास बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ ऐतिहासिक नजारा पौराणिक और संतों की पावन तपोभूमि तपसी धाम में देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मोत्सव को विश्व हिन्दू महासंघ ने किसी पारंपरिक उत्सव की तरह नहीं, बल्कि एक महा–संकल्प के रूप में धरातल पर उतारा।विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता और तपसी धाम के पूज्य महंत जय बक्श दास जी महाराज के दिव्य संरक्षण में शुरू हुए तीन दिवसीय महामहोत्सव के पहले ही दिन 289 युवाओं और समाजसेवियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम भी युवाओं के इस अभूतपूर्व उत्साह को देखकर दंग रह गई, जहाँ लोग कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ समाजसेवी शिक्षण विधि एवं कवि राम नरेश सिंह मंजुल, विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना और महंत जय बक्स दास, हर्रैया के विधायक अजय सिंह ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। रक्तदान शिविर का अवलोकन करने पहुंचे जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस मानवीय पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। डीआईजी और एसपी बस्ती ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र सौंपते हुए कहा, अक्सर जन्मदिन के आयोजनों में हो–हल्ला और तामझाम देखने को मिलता है, लेकिन पूज्य महाराज जी के जन्मदिन पर बस्ती के युवाओं ने जो सेवा का मार्ग चुना है, वह अनुकरणीय है। यह रक्त न जाने कितने असहाय और बीमार लोगों की रगों में दौड़कर उन्हें नया जीवन देगा। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने लखनऊ से विशेष तौर पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन ही राष्ट्र और सनातन को समर्पित है, उनके जन्मदिन पर इससे सुंदर उपहार कुछ और नहीं हो सकता। इस विशाल आयोजन की सफलता के पीछे विश्व हिंदू महासंघ और सनातन रक्षा वाहिनी की महीनों की सूक्ष्म प्लानिंग और ग्राउंड वर्क साफ दिखाई दिया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी और सनातन रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव ने सुबह से ही मोर्चा संभाल रखा था। बालकृष्ण सिंह बबलू, सौरभ चतुर्वेदी, अमरजीत सिंह, विजय शंकर शुक्ला और सुनील मिश्रा ने आगंतुकों की अगवानी और भोजन–पानी की व्यवस्था संभाली। राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, अंकित सिंह, समर प्रताप सिंह, शिवम त्रिपाठी, रत्नेश पाल, महेश हिंदुस्तानी, सतीश पाण्डेय 'पप्पू', अर्पण श्रीवास्तव और उज्जवल सिंह ने यह सुनिश्चित किया कि भीषण गर्मी के बावजूद किसी भी रक्तदाता को कोई असुविधा न हो। देर शाम तक गूंजते रहे राष्ट्रभक्ति के तराने जैसे–जैसे सूरज ढल रहा था, तपसी धाम का माहौल और अधिक आध्यात्मिक और ऊर्जावान होता जा रहा था। सूरज श्रीवास्तव, सौरभ गुप्ता, रूपनारायण गौड़, अभय चौधरी, राजन सिंह, रवि शुक्ला, प्रिंस जायसवाल, राकेश सिंह, विपिन सिंह, परमानंद गुप्ता और शैलेंद्र सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूरे परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन को बनाए रखा। पूरा तपसी धाम परिसर 'जय श्रीराम' और 'महायोगी आदित्यनाथ अमर रहें' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान रहा। आयोजन की सफलता से गदगद विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंच से घोषणा की कि आज पहले दिन बस्ती के युवाओं ने 289 यूनिट रक्तदान करके इतिहास रचा है। लेकिन यह महोत्सव यहीं नहीं रुकने वाला है। यह तीन दिवसीय अनुष्ठान है। अगले दो दिनों में तपसी धाम की पावन धरती पर अखंड रामायण पाठ, महाआरती, सुंदरकांड और एक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें पूरा बस्ती जनपद आमंत्रित है। इस आयोजन की भव्यता तब और बढ़ गई जब पूनम सिंह, कंचन विश्वकर्मा, अनुसूया पाण्डेय, और आरती देवी के नेतृत्व में महिलाओं की भारी टोली तपसी धाम पहुंची। केवल पुरुषों ने ही नहीं, बल्कि इन महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी रक्तदान कर समाज को यह संदेश दिया कि राष्ट्र सेवा में आधी आबादी किसी से पीछे नहीं है।

जमीन पर जबरिया कब्जे की कोशिश: पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। परसरामपुर थाना क्षेत्र के दरूपुर निवासिनी मनीषा पत्नी चन्द्रिका प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पड़ोसियों द्वारा उसकी जमीन पर जबरिया कब्जा करने के प्रयास को रोकने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है। शुक्रवार को एसपी को दिये पत्र में मनीषा पत्नी चन्द्रिका प्रसाद ने कहा है कि घर के बगल मे खाली जमीन है जिस पर उसके पड़ोसी झुरई पुत्र घुरहू झिन्नन पुत्र घुरहू व गुड्डू पुत्र झिन्नन व उसके परिवार के अन्य लोग जबरदस्ती कब्जा करने की नियत से बकरी बांध देते है गोबर फेकते है मना करने पर आमादा फौजदारी होते है । मारपीट भी किया जिसमे थाने पर दोनो पक्षो के बीच सुलह समझौता भी हुआ था लेकिन विपक्षी उस सुलहनामा को नहीं मान रहे है तथा गाली गुप्ता देते हुए जान से मारने की धमकी देते है । जब वह इस घटना की सूचना देने थाने पर गयी तो थाने पर पुलिस कर्मियो द्वारा प्रार्थिनी के साथ दुर्व्यवहार किया गया मारा पीटा भी गया। ऐसी सूरत में सम्बंधित लोगो के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के साथ ही उसके जमीन और परिवार की रक्षा कराया जाय।

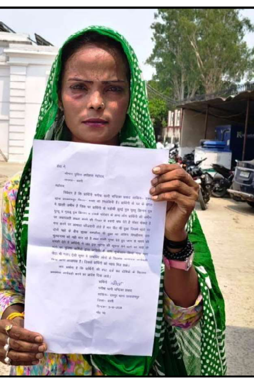

पट्टीदारों ने खेत में खाद डाल रही पत्नी और पति को मारा पीटा: एसपी से दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। खेत में खाद डालने के दौरान लालगंज थाना क्षेत्र के पिपरपाती गांव में पट्टीदारों से मारपीट का मामला सामने आया है। लालगंज थाने से न्याय न मिलने पर पीड़िता प्रीती पत्नी अरविन्द ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और दबंगों से अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। शुक्रवार को एसपी को दिये पत्र में प्रीती पत्नी अरविन्द ने कहा है कि गत 4 जून को शाम 6 बजे वह अपने खेत में खाद डाल रही थी। तभी उसके पट्टीदार राधेश्याम पुत्र दूधनाथ यादव, विकास यादव पुत्र राधेश्याम, कृष्णा यादव पुत्र राधेश्याम आदि ने उसे गाली दिया । वे खाद डालने से मना कर रहे थे जब उसने खाद डालना बन्द नही किए तो उक्त लोगों ने लाठी, डण्डा से उसे बुरी तरह मारा, पीटा, शोर सुनकर हमारे पति दौड़कर आए और बचाने लगे तो विकास यादव व राधेश्याम यादव ने उसके पति अरविन्द को लोहे की राड से मारकर सर फोड़ दिए व नाक फट गया। वे लोग हम लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे । इसकी सूचना लालगंज थाने पर किया गया किन्तु पुलिस ने न तो डाक्टरी मुआयना कराया गया न मुकदमा दर्ज कर कोई कार्यवाही किया। पीड़िता ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और दबंगों से अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

बिजली संकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने राज्यपाल को भेजा 8 सूत्रिय ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने भीषण बिजली संकट, अघोषित बिजली कटौती, महंगी बिजली दरों, स्मार्ट मीटर आदि के सवाल को लेकर मुख्य अभियन्ता वितरण कार्यालय पर प्रदर्शन के बाद ई. विजय कुमार गुप्ता के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित 8 सूत्रीय ज्ञापन सौपा।ज्ञापन सौंपने के बाद 'आप' जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि प्रदेश के अनेक जिलों में 22 से 48 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने की घटनाएं सामने आ रही हैं। पूरे प्रदेश में आम जनता, किसान, व्यापारी, छात्र और कर्मचारी बिजली संकट से त्रस्त हैं।पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बस्ती जिला प्रभारी कुलदीप जायसवाल ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि जब जनता बिजली, पानी और बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रही है तब सरकार के जिम्मेदार मंत्री समस्याओं का समाधान करने के बजाय गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी में व्यस्त दिखाई देते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जनता बिजली मांगेगी तो मंत्री बोलेंगे जय श्री राम, जनता की वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकाने का यह प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में उत्तर प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, भीषण गर्मी के दौरान सभी जिलों में निर्वाध एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, प्रदेश की बढ़ती मांग के अनुरूप बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना लागू करने, स्मार्ट मीटर और फर्जी बिलिंग से संबंधित सभी शिकायतों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराये जाने, बिजली दरों में किसी भी प्रकार की वृद्धि पर तत्काल रोक लगाने, बिजली उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने, निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाली नीतियों पर रोक लगाकर जनता को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराये जाने आदि की मांग शामिल है।ज्ञापन देने के दौरान आशीष जायसवाल, मिथलेश भारती, वीरेन्द्र कुमार, अब्दुल कयूम, भोला यादव, प्रेमचन्द्र चौधरी, रामरेखा प्रजापति, शेषपाल चौधरी के साथ ही आम आदमी पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का सिद्धार्थनगर में भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष

एवं केंद्रीय राज्य मंत्री च्ंदार बैंनकींतल के सिद्धार्थनगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर उनका भव्य स्वागत किया। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या की अध्यक्षता में उसका बॉर्डर, पकड़ी बाजार, हाइडिल तिराहा और साड़ी तिराहा सहित कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं से उनका अभिनंदन किया।प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने नारेबाजी कर प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया।कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय,राघवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी, साधना चौधरी, उपेंद्र प्रताप सिंह, कन्हैया पासवान, गोविंद माधव, सच्चिदानंद चौबे, विजयकांत चतुर्वेदी, पूजा पाल, हेमंत जायसवाल, रवि अग्रवाल, अशोक अग्रहरि, रामनारायण, पवन मिश्रा, फतेह बहादुर, फूलचंद, मनोज मौर्य, सिद्धार्थ चौधरी, प्रभात तिवारी, रमेश मणि, गगन श्रीवास्तव, सतीश रस्तोगी, विपिन सिंह, जितेंद्र मिश्रा, जयवर्धन तिवारी, अरुणा मिश्रा, रीता पाण्डेय, मोनी पाण्डेय, विनीता यादव और सुशीला केवट सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की। स्वागत समारोह में कार्यकर्ताओं का उत्साह और बड़ी संख्या में मौजूदगी भाजपा की संगठनात्मक सक्रियता का परिचायक रही।

रंग लायी भीम युवा वाहिनी की पहल: अम्बेडकर पार्क के लिये हुआ जमीन का चिन्हांकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को मण्डलायुक्त के निर्देश पर लालगंज थाना क्षेत्र के थरौली गांव में अवैध कब्जे को हटाते हुये अम्बेडकर पार्क हेतु जमीन को सुरक्षित करने के साथ ही चिन्हांकन और पत्थर के निशान लगाये गये। भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप कुमार गौतम की पहल रंग लायी।

थरौली गांव के निवासियों में प्रसन्नता की लहर है। भीम युवा वाहिनी के सोनू राव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि अम्बेडकर पार्क हेतु जमीन के लिये लम्बा संघर्ष करना पड़ा।

कहा कि जो जमीन चिन्हित की गई है उसे खतौनी में दर्ज कराने के लिये प्रयास तेज किया जायेगा। उन्होने मण्डलायुक्त के प्रति आभार व्यक्त किया।

कानूनगो ओम प्रकाश, लेखपाल मनोज कुमार और राजस्व टीम ने चिन्हांकन सम्पन्न कराया। इस मौके पर रामरूप, विशाल, संदीप, सन्तवली, दिलीप, मंजीत, राधेश्याम, अजय कुमार, राम अशीष, राम सागर, जितेन्द्र, प्रहलाद, फूलचन्द, प्रेमनाथ, पवन कुमार, राजेश, धर्मराज, महेन्द्र, रोहित, वीरेन्द्र, विजय कुमार, चन्दू, पल्टूराम, राहुल, वलीराम, मनीराम, भगवानदास, राजमती, चन्दादेवी, सरस्वती, शान्ती देवी, सूरसती, रीता, रूचि, संगीता के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, खुटवा में गोष्ठी, रैली और वृक्षारोपण आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

उस्का बाजार (सिद्धार्थनगर), 5 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गौतम बुद्ध जागृति समिति (जीबीजेएस) द्वारा मौसम परियोजना के अंतर्गत ग्राम खुटवा, विकास खंड उस्का बाजार में गोष्ठी, जागरूकता रैली एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों किसानों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा जलवायु–अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फॉरेस्टर श्याम बिहारी तिवारी ने कहा कि बेहतर भविष्य और सुखद जीवन के लिए जल, जंगल, जमीन और स्वच्छ वायु जैसे पर्यावरणीय संसाधनों का संतुलित उपयोग तथा संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने वृक्षारोपण, .षि वानिकी और वृक्ष संरक्षण पर बल देते हुए लोगों से ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत पौधरोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरित धरती ही सतत विकास का आधार है।सहायक खंड विकास अधिकारी (.षि) अभिनव सिंह ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता और स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही फसल अवशेषों को जलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर्यावरण और .षि दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। उन्होंने किसानों से प्रा.तिक एवं विषमुक्त खेती अपनाने की अपील की।मौसम परियोजना के क्षेत्रीय समन्वयक अभय प्रताप सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज किसानों और ग्रामीण समुदायों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसके प्रभावों को कम करने के लिए जलवायु–अनुकूल .षि, जल संरक्षण, वृक्षारोपण तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना जरूरी है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था अध्यक्ष हरि प्रसाद पाठक ने प्रत्येक परिवार से घर एवं आसपास पौधे लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमित स्थान होने पर नीम, तुलसी जैसे औषधीय पौधों का रोपण किया जा सकता है।

साथ ही पशु–पक्षियों के लिए दाना–पानी की व्यवस्था करने की अपील भी की। संस्था के सचिव श्रीधर पाण्डेय ने जल संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि घटते जल संसाधन और जीवाश्म ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को अपनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। इसके बाद पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया गया।गौरतलब है कि पानी संस्थान एवं रोहिणी नीलेकणी फिलैंथ्रॉपिक फाउंडेशन के सहयोग से उस्का बाजार विकास खंड की पांच ग्राम पंचायतों में मौसम परियोजना संचालित की जा रही है। परियोजना के तहत किसानों को प्रा.तिक खेती, जल संरक्षण, .षि वानिकी तथा नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित किया जा रहा है।कार्यक्रम का संचालन परियोजना समन्वयक सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर ममता कुमारी, अनीता, सुधा चौहान, सुधा पासवान, इंटर्न संदीप चौधरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान एवं युवा उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल स्रोतों के संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया।

सिद्धार्थनगर रेलवे स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज विस्तार का कार्य शुरू

नए प्लेटफॉर्म तक यात्रियों की आवाजाही होगी आसान, सेकेंड बुकिंग विंडो भी बनेगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए फुटओवर ब्रिज के विस्तार का कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में फुटओवर ब्रिज प्लेटफॉर्म नंबर दो तक बना हुआ है, जिसे अब आगे बढ़ाकर गुड्स प्लेटफॉर्म तक जोड़ा जा रहा है। इससे यात्रियों को स्टेशन के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर आने–जाने में काफी सुविधा मिलेगी।रेलवे अधिकारियों के अनुसार स्टेशन के दक्षिणी छोर पर सेकेंड बुकिंग विंडो का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके शुरू होने से टिकट लेने वाले यात्रियों को लंबी कतारों और अनावश्यक भीड़भाड़ से राहत मिलेगी।गौरतलब है कि भगवान बुद्ध की क्रीड़ास्थली एवं कपिलवस्तु पहुंचने वाला अंतिम रेलवे स्टेशन होने के कारण सिद्धार्थनगर स्टेशन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चयनित होने के बाद यहां आधुनिक सुविधाओं के विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं।स्टेशन पर बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए रेलवे द्वारा एक नई सड़क और नाले का निर्माण भी कराया जा रहा है। वहीं गुड्स प्लेटफॉर्म के समीप सेकेंड विंडो तथा नए फुटओवर ब्रिज कनेक्शन के निर्माण से यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में काफी आसानी होगी।रेलवे विभाग का कहना है कि स्टेशन के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एडियो पंचायत संजय कुमार ने खंड विकास कार्यालय में लगाए पौधे, दिया हरियाली का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीरनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर एडियो पंचायत संजय कुमार ने खंड विकास कार्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का अहम संदेश दिया। उन्होंने कार्यालय के मुख्य द्वार, पार्किंग और खाली पड़े स्थानों पर नीम, पीपल, बरगद, आम और जामुन के पौधे लगाए। कार्यक्रम में पंचायत के ग्रामीण, युवा साथी और खंड विकास कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर पौधे लगाए और उनकी देखभाल की शपथ ली। ग्राम विकास अधिकारी सरमदखान ने कहा कि आज पर्यावरण का संकट सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। लगातार बढ़ता तापमान, घटता भूजल और बढ़ता प्रदूषण इंसान के लिए खतरे की घंटी है। इस समस्या का समाधान सिर्फ सरकारी योजनाओं से नहीं होगा। हर नागरिक को आगे आकर पेड़ लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें याद दिलाता है कि धरती हमारी

मां है और पेड़ उसकी सांसें हैं। अगर पेड़ बचेंगे तभी हमारा जीवन बचेगा। एडिओ आई.एस. बी शिव बहादुर ने कहा कि खंड विकास कार्यालय में रोज सैकड़ों लोग आते हैं। यहां लगाए गए पौधे हर आने वाले व्यक्ति को हरियाली और स्वच्छ हवा का एहसास कराएंगे। इससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे अपने घर आंगन में भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित होंगे। लगाए गए पौधों की सुरक्षा, निराई गुड़ाई और पानी देने की जिम्मेदारी संजय कुमार ने खुद ली है। उन्होंने पंचायत के युवाओं से अपील की कि वे अपने गांव में खाली जगह, स्कूल और सड़क किनारे फलदार और छायादार पेड़ लगाएं। कार्यक्रम के दौरान सभी ने प्लास्टिक का उपयोग कम करने, कचरा डस्टबिन में फेंकने और पानी बचाने का संकल्प लिया। खंड विकास अधिकारी अरजीत प्रकाश सिंह ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जनसहयोग से ही स्वच्छ और हरा भरा गांव बनाया जा सकता है। एपीओ अनंत राव ने कहा कि एक पौधा लगाना छोटा काम लग सकता है, पर यही छोटा कदम आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और बेहतर भविष्य देगा। उन्होंने हर व्यक्ति से साल में कम से कम एक पौधा लगाने और उसे बड़ा करने की अपील की। इस पहल से कार्यालय परिसर तो हरा भरा होगा ही, साथ में पर्यावरण बचाने का संदेश भी दूर तक जाएगा। इस दौरान ग्राम विकास अवनीश गौड, अक्षय कुमार, पिंकी कुमारी, रोजगार सेवक, रामनयन यादव, राम अनुज शर्मा, भागवत,वर्मा , धर्मेंद्र कुमार, फारूक यादि लोग मौजूद रहे।

चौहट्टा में आयोजित ग्राम चौपाल में सुनी गईं ग्रामीणों की समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खंड के ग्राम पंचायत चौहट्टा में शुक्रवार को गांव की समस्या, गांव में समाधान अभियान के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल की अध्यक्षता ग्राम सचिव कुंवर कन्नौजिया ने की। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। सचिव कुंवर कन्नौजिया ने कहा कि ग्राम चौपाल कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का गांव स्तर पर ही त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने ग्रामीणों से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 21 दिनों

के भीतर आवेदन करने की अपील करते हुए कहा कि समय पर आवेदन करने से प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल और सुगम हो जाती है। चौपाल में उपस्थित लोगों की समस्याओं को भी सुना गया तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव फागू गुप्ता ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर राशन कार्ड, फैमिली आईडी, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना सहायता योजना, जीवन ज्योति योजना एवं अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अनीता, प्रधान प्रतिनिधि कैलाश प्रजापति, रोजगार सेवक राम रक्षा, सुपर वाइज मंजू भारती, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नंदिनी, आशा कार्यकर्ता दुर्गावती, भाकियू प्रदेश सचिव फागू गुप्ता, अमित कुमार, संकटा प्रसाद, मुंशी सरस्वती, भुक्खन, जितेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

'कपड़े हो गए छोटे, तो शर्म कहां से आए ?' वाली कॉन्टेंट क्रिएटर दपजं ठपेीदवप ने खाया जहर, अस्पताल में भर्ती

सोशल मीडिया पर होने वाली मानसिक प्रताड़ना और श्साइबर बुलिंगश का एक और खौफनाक चेहरा सामने आया है। राजस्थान की मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर अनीता बिश्नोई ने बुधवार को कथित तौर पर कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत जोधपुर के मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अनीता के परिजनों का आरोप है कि वह पिछले कई हफ्तों से सोशल मीडिया पर हो रही लगातार ट्रोलिंग, भद्दे कमेंट्स और व्यक्तिगत उत्पीड़न के कारण गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही थीं।

राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं के साथ–साथ सामाजिक जागरूकता के मुद्दों पर वीडियो बनाने के लिए जानी जाने वाली 'कंटेंट क्रिएटर' अनीता बिश्नोई को बनार पुलिस थाना क्षेत्र स्थित उनके आवास पर उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार के सदस्यों के अनुसार, बिश्नोई ने कथित तौर पर घर पर कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। यह घटना बिश्नोई द्वारा सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा करने के कुछ घंटों बाद हुई, जिससे उनके सोशल मीडिया फॉलोअर और रिश्तेदारों में चिंता पैदा हो गई।

अपने पोस्ट में, बिश्नोई ने संकेत दिया कि शायद वह फिर कभी दिखाई न दें। बिश्नोई के फेसबुक पर करीब 13 लाख और इंस्टाग्राम पर 6.45 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। उनके पति दिनाराम ने आरोप लगाया कि बिश्नोई को हफ्तों से सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग और व्यक्तिगत हमलों का सामना करना पड़ रहा था। उनके पति के अनुसार, महिलाओं के पहनावे पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक वीडियो पोस्ट करने के बाद उनकी आलोचना और बढ़ गई। साथ ही कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और साथी इन्फ्लुएंसर की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आईं।

दिनाराम ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ऐप के माध्यम से बिश्नोई को निशाना बना रहे थे, जिससे वह काफी तनाव में थीं। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों के माध्यम से उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के प्रयास किए जा रहे थे। अस्पताल में भर्ती बिश्नोई की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

जियो यूजर्स का फूटा गुस्सा, नेटवर्क समस्या से कॉलिंग और इंटरनेट सेवा प्रभावित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जिले में कई महीनों से जियो नेटवर्क की समस्याओं से उपभोक्ता परेशान हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कंपनी बेहतर और तेज 5ळ सेवा देने का दावा करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर नेटवर्क की स्थिति संतोषजनक नहीं है। लोगों का कहना है कि 5ळ डेटा पैक होने के बावजूद डेटा तेजी से समाप्त हो जाता है और कई बार इंटरनेट 5ळ की बजाय 4ळ या उससे कम स्पीड पर काम करता है। उपभोक्ताओं का यह भी आरोप है कि नेटवर्क बाधित होने, इंटरनेट की धीमी गति और कॉल संबंधी समस्याओं को लेकर 198 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं मिलता। कस्टमर केयर द्वारा जल्द समस्या दूर करने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं दिखता। लगातार आ रही इन तकनीकी समस्याओं के कारण ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल भुगतान, कार्यालयी कार्य और अन्य इंटरनेट आधारित सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उपभोक्ताओं ने कंपनी से नेटवर्क गुणवत्ता में सुधार और शिकायतों के त्वरित समाधान की मांग की है।

रिजर्व पुलिस लाइन में डीएम व एसपी ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। पर्यावरण संरक्षण एवं जन–जागरूकता

को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी बढ़–चढ़कर भाग लेते हुए पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने स्वयं अपने हाथों से पौधारोपण कर की। इसके बाद पुलिस लाइन परिसर में नीम, पीपल, बरगद, जामुन और आंवला सहित पर्यावरण अनुकूल पौधों का रोपण किया गया। अधिकारियों ने उपस्थित पुलिसकर्मियों को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। बढ़ते तापमान और बदलते मौसम चक्र को देखते हुए वृक्षारोपण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं। स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने पुलिस बल एवं आमजन से अधिकाधिक पौधे लगाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य जनमानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पौधों के प्रति भावनात्मक जुड़ाव विकसित करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन्स अमित कुमार, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदमन सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, प्रतिसार निरीक्षक रामबली यादव सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा व हिन्दू परिषद कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया योगी आदित्यनाथ का 55वां जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 55वें जन्मदिन पर शुक्रवार को शोहरतगढ़ में विभिन्न संगठनों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित कर खुशियां मनाई गईं। इस दौरान केक काटा गया, पटाखे फोड़े गए तथा गरीबों और असहाय लोगों की मदद कर जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में भी मनाया गया।नगर पंचायत परिसर में भाजपा नेता एवं प्रतिनिधि रवि अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के चित्र के समक्ष केक काटा गया। इसके बाद गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता कर कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की। रवि अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में गरीब कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अपराध और माफिया संस्कृति से काफी हद तक मुक्त हुआ है तथा महिलाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। धूरिया समाज के जिला सह–संयोजक नंदू गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सनातन संस्कृति के संरक्षण और औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि आवास योजनाओं के माध्यम से लाखों गरीब परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर सभासद बब्लू गौड़, दिनेश कुमार, सुरेश कुमार, सोनू महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में भी हुआ आयोजन– वहीं, श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में अखिल भारतीय

हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के चित्र के समक्ष केक काटा और पटाखे फोड़कर ष्जय श्रीरामष् के उद्घोष के साथ शुभकामनाएं दीं। अखिल भारतीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में बिना भेदभाव के सभी वर्गों के लिए विकास और कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून–व्यवस्था और निवेश के अनुकूल माहौल के कारण प्रदेश में उद्योगों की स्थापना बढ़ी है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि इन योजनाओं से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में सूरज निगम, बलिराम मौर्य, बाबा बालकदास, दीपक कौशल, गोलू पासवान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।तो वहीं व्यापार मंडल के पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाकर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों और व्यापारिक माहौल में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना की। कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल, दिलीप वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

मछली मंडी निर्माण हादसे में ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की संस्तुति, अधिकारियों पर भी होगी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के विकासखंड बढ़नी स्थित माधवपुर में निर्माणाधीन मत्स्य मंडी परिसर में गेट की शटरिंग गिरने से हुए हादसे की जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की संस्तुति शासन को भेज दी है।बताया गया कि परियोजना मंडी समिति शोहरतगढ़ के अंतर्गत माधवपुर में मत्स्य मंडी परिसर में 530 मीटर चहारदीवारी, मुख्य गेट

एवं गेट पिलर, चेक पोस्ट तथा छोटे गेट के निर्माण का कार्य राजकीय .षि उत्पादन मंडी परिषद (निर्माण), बस्ती द्वारा कराया जा रहा है। परियोजना की स्वी.त लागत लगभग 1.41 करोड़ रुपये है।निर्माणाधीन गेट की शटरिंग का कार्य चल रहा था, तभी 3 जून 2026 को शटरिंग गिर गई। हादसे में एक मजदूर की मृत्यु हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर घायल हो गए। घटना के तत्काल बाद जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ की अध्यक्षता में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) एवं खंड विकास अधिकारी बढ़नी को शामिल करते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी।जांच समिति की रिपोर्ट में पाया गया कि लगभग 20 फीट ऊंचे और 18 फीट चौड़े गेट के निर्माण में शटरिंग के लिए लोहे के प्रॉप्स के बजाय बांस का प्रयोग किया गया था। साथ ही गेट के नीचे की मिट्टी की समुचित भराई और कंपैक्शन भी नहीं कराया गया था। इन कमियों के कारण शटरिंग का भार संतुलित नहीं रह सका और वह गिर गई, जिससे यह दुर्घटना हुई।रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि निर्माणाधीन गेट से करीब दो फीट की दूरी पर हाईटेंशन विद्युत लाइन गुजर रही है, जिससे भविष्य में भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। समिति ने इसे तत्काल सुरक्षित किए जाने की आवश्यकता बताई है।जांच में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और पर्यवेक्षण में गंभीर शिथिलता पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अवर अभियंता, सहायक अभियंता तथा उपनिदेशक मंडी परिषद (निर्माण) बस्ती के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की संस्तुति निदेशक मंडी परिषद एवं शासन को भेज दी है। साथ ही संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किए जाने की भी संस्तुति की गई है।प्रशासन का कहना है कि निर्माण कार्यों में लापरवाही और मानकों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

टीएमसी में बड़ी बगावत, मेयर का इस्तीफा!

हाल ही में संपन्न हुए राज्य चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों करारी हार के कुछ दिनों बाद, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में सत्ता खोने के बाद अपने विधायी रैंकों में विद्रोह से जूझ रही है। स्पीकर द्वारा 58 बागी टीएमसी विधायकों को प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता देने के बाद, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। अब पार्टी को अपने शहरी राजनीतिक ढांचे में एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रमुख महापौर पदों पर आसीन वरिष्ठ नेताओं के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पीकर रथेंद्र नाथ बोस ने विधायक ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 58 बागी टीएमसी विधायकों को प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता दी। बागी विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तानाशाही तरीके से काम करने का आरोप लगाया है और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की भूमिका को खुले तौर पर चुनौती दी है।

सीएम योगी के जन्मोत्सव पर 55 यूनिट रक्तदान, रक्तवीरों ने दिया मानव सेवा का संदेश

बुलडोजर आकार का केक काटकर मनाया प्रेरणा दिवस, रक्तदाताओं को भेंट किए गए पौधे

दैनिक बुद्ध का संदेश
डुमरियागंज (सिद्धार्थनगर)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस के अवसर पर डुमरियागंज में सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शाहपुर स्थित हिन्दू भवन में पूर्व विधायक एवं हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित शिविर में लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हुए 55 यूनिट रक्तदान किया ।सुबह आठ बजे से शुरू हुए शिविर में 55 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जबकि 69 लोगों ने ऐच्छिक रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान देने का संदेश देते हुए युवाओं ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदर विधायक श्यामधनी राही की उपस्थिति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर की आ.ति वाला विशेष केक काटकर उत्सव मनाया तथा एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं ।सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए नई जिंदगी साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की ।पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने रक्तदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि रक्त का कोई .त्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है।

जरूरतमंद मरीजों तक रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सबसे प्रभावी माध्यम स्वैच्छिक रक्तदान ही है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया ।शिविर में सचिन पटेल, अवध बिहारी सिंह, शिव कुमार दुबे, मोनू चौधरी, भीम चौधरी, रमन सिंह, सुधांशु अग्रहरि, हरीश पाण्डेय, नवल पटेल, दीपेंद्र विक्रम सहित कुल 55 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में नरेंद्रमणि त्रिपाठी, लवकुश ओझा, चंद्र प्रकाश वर्मा, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, दिलीप पाण्डेय, अमरेंद्र त्रिपाठी, गणेश विश्वकर्मा, रामू गौतम, राजकुमार चौधरी, श्रवण चौधरी, प्रेम पांडे, धर्मेश पांडे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।रक्तदान शिविर में चिकित्सकीय एवं ब्लड बैंक टीम ने रक्तदाताओं का विशेष सम्मान किया। लैब टेक्नीशियन प्रिंस पाण्डेय, डॉ. एस.एल. पटेल, ब्लड बैंक प्रभारी अशोक मिश्रा, एल.के. पांडे, राजकुमार त्रिपाठी, शंभूनाथ त्रिपाठी, जितेंद्र, वंदना पांडे, विवेक मिश्रा, सुरजीत कुमार, अनीता, अरविंद कुमार, गयाप्रसाद चौधरी तथा अधीक्षक बेवा विकास चौधरी सहित स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्तवीरों को जूस, फल और बिस्किट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन पर पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने रक्तदाताओं तथा आयोजन में सहयोग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया।

मछली मंडी हादसे में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

सपा नेता मणेंद्र मिश्रा ने मृतक के परिजनों को मुआवजा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेंद्र मिश्रा ने शोहरतगढ़ स्थित निर्माणाधीन मछली मंडी का गेट गिरने से हुए हादसे में मंडी परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मृतक मजदूर के परिजनों को शीघ्र मुआवजा देने तथा घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है ।जारी प्रेस विज्ञप्ति में श्री मिश्रा ने कहा कि बीते 3 जून को तुलसियापुर स्थित निर्माणाधीन मछली मंडी का गेट गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई थी, जबकि छह अन्य मजदूर घायल हो गए थे। घटना के बाद जिलाधिकारी द्वारा तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी। हाल ही में जिला सूचना विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति में ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने तथा मंडी परिषद बस्ती के अवर अभियंता, सहायक अभियंता और उप निदेशक (निर्माण) के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की संस्तुति शासन को भेजे जाने की जानकारी दी गई है ।उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के कई दिन बाद भी मृतक के परिजनों को कोई मुआवजा नहीं मिला है और न ही मंडी परिषद के किसी जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि दर्ज एफआईआर में मंडी परिषद के किसी अधिकारी का नाम शामिल नहीं किया गया है ।मणेंद्र मिश्रा ने कहा कि तुलसियापुर की यह घटना निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार और लापरवाही का ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थनगर प्रदेश का एकमात्र पंगेशियस क्लस्टर केंद्र है, जिसे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत अधिसूचित किया गया है। ऐसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में हादसे के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई न होना गंभीर चिंता का विषय है ।उन्होंने मांग की कि मृतक के परिवार को तत्काल उचित मुआवजा दिया जाए तथा घटना के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों और संबंधित लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी मृतक को न्याय दिलाने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी तथा घटना की जिम्मेदारी और जवाबदेही अविलंब तय की जानी चाहिए।

‘विश्व पर्यावरण दिवस पर बाल विकास विभाग द्वारा किया गया 7400 वृक्षारोपण’

गोरखपुर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर जिलाधिकारी गोरखपुर दीपक मीणा और मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी के नेतृत्व में जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिनव मिश्रा द्वारा एक पेड़ मां के नामष की थीम के तहत जंगल शालिग्राम में पौधारोपण कर 5 जून से 21 जून तक चलने वाले इस मेगा अभियान का बाल विकास विभाग के तरफ से शुभारंभ किया गया. जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा इस अवसर पर सीडीपीओ शहर , मुख्य सेविकाओं तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु विभागीय रैली भी निकाली गई।

जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने किया मार्गदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी उपस्थित रहे ।बैठक को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। किसी भी नेता या संगठन की सफलता के पीछे कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और संघर्ष होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा आज कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम के बल पर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है ।उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने

के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके सम्मान, अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वह सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा, ष्कार्यकर्ताओं के लिए मैं लड़ूंगा भी और अड़ूंगा भी ।ष्बैठक के दौरान उन्होंने 5 जून से 21 जून तक चलने वाले विभिन्न संगठनात्मक एवं जनजागरण अभियानों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने भाजपा कार्यालय परिसर में श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की ।प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्गों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने का आग्रह किया ।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की मजबूती और जनता के समर्थन के बल पर भारतीय जनता पार्टी आगामी चुनावों में भी विजय प्राप्त करेगी ।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री फूलचंद जायसवाल ने किया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा, विधायक श्यामधनी राही, पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, साधना चौधरी, शिवनाथ चौधरी, हेमंत जायसवाल, सुनील अग्रहरि, रवि अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह, गोविंद माधव, कन्हैया पासवान, लवकुश ओझा, गुड्डू त्रिपाठी, सबलू साहनी सहित जिले के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेसरही गांव में मिशन शक्ति टीम की चौपाल, महिलाओं को किया जागरूक

साइबर अपराध, महिला सुरक्षा और हेल्पलाइन सेवाओं की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश
खेसरहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति 5 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा पुलिस द्वारा महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने ग्राम खेसरही में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया ।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को महिला अपराध, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, साइबर ठगी तथा अन्य अपराधों से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध

की स्थिति में महिलाएं तत्काल पुलिस हेल्पलाइन एवं महिला हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करें। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया गया ।चौपाल में मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को उनके अधिकारों तथा सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से निर्भीक होकर अपनी समस्याएं साझा करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की ।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। जागरूकता ही अपराधों की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है, इसलिए महिलाओं को सतर्क और सजग रहने की आवश्यकता है ।इस अवसर पर उपनिरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, उपनिरीक्षक जियाउल्लाह, आरक्षी अरुण कुमार पांडेय, महिला आरक्षी विनीता सिंह, महिला आरक्षी गार्गी मिश्रा सहित मिशन शक्ति टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्राधिकारी महराजगंज बने रवीन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्र में खुशी की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश
खेसरहा। जनपद सिद्धार्थनगर के थाना बांसी एवं खेसरहा में प्रभारी निरीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके रवीन्द्र कुमार सिंह के क्षेत्राधिकारी (सीओ) जनपद महराजगंज नियुक्त होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके शुभचिंतकों, क्षेत्रवासियों तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं ।अपने सेवाकाल के दौरान रवीन्द्र कुमार सिंह ने कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के साथ–साथ सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। बांसी और खेसरहा में तैनाती के दौरान उनके सहयोग से श्री बजरंगबली हनुमान मंदिर के

निर्माण कार्य को भी गति मिली, जिसकी क्षेत्र में व्यापक सराहना हुई।

शुभचिंतकों का कहना है कि रवीन्द्र कुमार सिंह एक कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार और जनसरोकारों से जुड़े अधिकारी हैं।

उनकी कार्यशैली और व्यवहार के कारण वे लोगों के बीच विशेष पहचान रखते हैं। क्षेत्राधिकारी महराजगंज के रूप में उनकी नियुक्ति को लोगों ने उनकी कार्यकुशलता और समर्पण का सम्मान बताया है।

क्षेत्रवासियों ने भगवान श्री बजरंगबली से उनके सफल, सुखद एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वे अपने नए दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर पुलिस सेवा में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
बढ़नी, 5 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बढ़नी नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की ।नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पेड़–पौधे मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए वृक्षारोपण जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण का संकल्प भी ले ।उन्होंने कहा कि ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्र.ति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है ।कार्यक्रम में कटेला मंडल अध्यक्ष श्याम गुप्ता, मंडल मंत्री ध्रुव चतुर्वेदी, अमित मौर्य तथा बृजेश अग्रहरि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ व्यापक वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर

विकास खंड शोहरतगढ़ क्षेत्र में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, पंचायत कर्मियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया ।ग्राम पंचायत चौहट्टा में प्रधान प्रतिनिधि कैलाश प्रजापति के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया। इसी क्रम में अगया में ग्राम प्रधान सुभाष यादव, मस्जिदिया में प्रधान प्रतिनिधि श्रवण जायसवाल, संतोरा में ग्राम प्रधान शिवलाल प्रजापति, जगरगठिया में ग्राम प्रधान अजय मिश्रा तथा एकडेगा भावपुर में प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश यादव की मौजूदगी में पौधे लगाए गए। इसके अलावा क्षेत्र की अन्य ग्राम पंचायतों में भी ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों की सहभागिता से बड़े पैमाने पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए ।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया ।वक्ताओं ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्र.ति और मातृत्व के सम्मान का भी प्रतीक है। जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है ।कार्यक्रम में एडीओ (पंचायत) संजय पटेल, सचिव संदीप सरोज, सफाई कर्मी रविन्द्र कुमार सहित पंचायत विभाग के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए हरित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीमा क्षेत्र के गांवों में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
खुनुवां/शोहरतगढ़ ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), पुलिस विभाग तथा मानव सेवा संस्थान ष्सेवाष के संयुक्त तत्वावधान में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम ग्राम पंचायत खुनुवां, गुजरौलिया, करहिया, महली, भदवां परसौना, पकडिहवा, डोहरिया, कम्हरिया सहित अन्य सीमा क्षेत्र के गांवों में आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प भी लिया गया ।कार्यक्रम में एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट आशीष राघव, खुनुवां चौकी प्रभारी रामसुरेश यादव, हेड कांस्टेबल अजीत कुमार यादव, सिपाही सुनील कुमार गुप्ता, सरस्वती शिशु मंदिर खुनुवां के प्रधानाध्यापक बुद्धिसागर गुरु जी, ग्राम प्रधान संजय कुमार तथा राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय खुनुवां के चिकित्सक उपस्थित रहे। मानव सेवा संस्थान ष्सेवाष की ओर से सेंटर प्रभारी प्रमोद कुमार चौधरी, आउटरीच वर्कर नीतू भारती, विपुल कुमार तिवारी तथा मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान से ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर अमन शर्मा एवं समाजसेवी सचमुच त्रिपाठी ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. न0- UPHIN/2021/86502। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर जारी, बंटवारे के दर्द में तड़पता दिखा वेदांग-शरवरी का प्यार

मैं वापस आऊंगा मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और शरवरी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है. फिल्ममेकर इम्तियाज अली एक बार फिर प्यार, इमोशन, पुराना रोमांस और तड़प की दुनिया में उतर गए हैं. दिल को छू लेने वाले रोमांटिक ड्रामा बनाने के लिए मशहूर इम्तियाज अली इस फिल्म के साथ अपनी खास कहानी कहने की शैली को वापस ले आए हैं.

इम्तियाज अली पार्टीशन एरा की एक इमोशनल लव स्टोरी के साथ वापस आए हैं. इस फिल्म में पुराने जमाने का रोमांस दिखाया है, जो इंडिया–पाकिस्तान के बंटावारे के कारण बिछड़ जाते हैं. वेदांग रैना और शरवरी ने इंस्टाग्राम पर मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर अपलोड किया है. इस रोमांटिक ट्रेलर को उन्होंने एक रोमांटिक कैप्शन में दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, क्या प्यार सच में खत्म सकता है? क्या किसी के दिल से उसका घर छीना जा सकता है? ट्रेलर अब रिलीज हो गया है. मैं वापस आऊंगा, 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

ट्रेलर की शुरुआत पार्टीशन के दौर की यादों के बैकग्राउंड में दिखाए गए. नसीरुद्दीन शाह का किरदार एक अधूरी प्रेम कहानी के दर्द को अपने साथ लिए हुए नजर आता है, जो दशकों से उनके साथ रहा है.

ट्रेलर से पता चलता है कि दिलजीत दोसांझ एक मशहूर यूट्यूबर गुरवीर का किरदार निभा रहे हैं. वह अपने दादाजी (जिनका किरदार नसीरुद्दीन शाह ने निभाया है) को उनकी अंतिम सांसें लेते हुए देखते हैं, जो अपनी बिछड़ी हुई प्रेमिका से मिलने के लिए तरस रहे हैं. वेदांग रैना और शरवरी कहानी में एक यंग कपल का किरदार निभाया है जो एक दिल छू लेने वाली लव स्टोरी लेकर आए हैं.

ट्रेलर में आगे ऐसा लगता है कि दादीजी की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए दिलजीत उस लड़की का पता लगाने पाकिस्तान जाते हैं, जिससे उनके दादाजी पार्टीशन के कारण 78 सालों से नहीं मिल पाए हैं, लेकिन फिर भी उनसे वह आखिरी सांस तक प्यार करते हैं. यह फिल्म दर्शकों को प्यार, दिल टूटने, पुरानी यादों और जुदाई से भरी एक भावुक लव स्टोरी की झलक दिखाती है. क्या गुरवीर अपने दादी के प्यार को फिर से मिला पाएगा? क्या उसकी दादाजी की प्रेमिका अभी भी जिंदा है? और अगर हां, तो क्या उसे इस अमर प्रेम कहानी के बारे में पता चल पाएगा? खैर, यह जानने के लिए हमें 12 जून तक इंतजार करना होगा.

यह फिल्म मशहूर तिकड़ी ए.आर. रहमान, इरशाद कामिल और इम्तियाज अली के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिनके सहयोग से पिछले कुछ सालों में कई यादगार गानों ने लोगों के दिलों को छूआ है. इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी की मुख्य भूमिका में हैं. बिरला स्टूडियोज, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

बचपन की यादों में खोईं तृप्ति डिमरी, कहा– बहुत मार खाई है

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार

किस्से सुनाए। तृप्ति ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता–पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, श्क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो।

तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं।

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने–अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं।

उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा मां बहन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉमेडी, सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

जैकी श्रॉफ की हॉरर फिल्म खेती का पोस्टर जारी

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म श्खेतीष् का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पहली झलक से साफ है कि यह फिल्म हॉरर, सस्पेंस और रहस्य से भरपूर होने वाली है। पोस्टर में दिखाई गई डरावनी थीम ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिल्म का पोस्टर किसी गांव की जीवन पर आधारित कहानी की ओर इशारा करता है। चारों तरफ फैले खेत और उनके बीच उभरता एक रहस्यमयी चेहरा पूरे पोस्टर को बेहद खौफनाक बना रहा है। चेहरे को पूरी तरह साफ नहीं दिखाया गया है, जिससे सस्पेंस और भी बढ़ गया है। श्खेतीष् का पोस्टर रिलीज होते ही फैंस इसके पीछे छिपी कहानी को लेकर अलग–अलग अंदाजे लगाने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का मानना है कि फिल्म किसी पारिवारिक रहस्य, पुराने श्राप या गांव से जुड़े डरावने इतिहास के इर्द–गिर्द घूम सकती है। पोस्टर में इस्तेमाल किए गए डार्क कलर टोन और खेतों का माहौल फिल्म को अलग पहचान दे रहा है। फैंस का कहना है कि लंबे समय बाद किसी हिंदी हॉरर फिल्म का पोस्टर इतना इंटेंस और सस्पेंसफुल नजर आया है। फिल्म श्खेतीष् में जैकी श्रॉफ के साथ शरद केलकर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं टीवी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री नेहा सरगम इस फिल्म से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। इसके अलावा फिल्म में वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट को देखकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। हालांकि मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, लेकिन पोस्टर रिलीज के बाद से ही फिल्म चर्चा में आ गई है।

गर्वनर का ट्रेलर जारी, देश का सबसे बड़ा आर्थिक संकट दिखाने आए मनोज बाजपेयी

द केरल स्टोरी फ्रैंचाइजी के बाद, निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने अपनी नई फिल्म गर्वनररू द साइलेंट सेवियर का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें मनोज बाजपेयी और अदा शर्मा मुख्य किरदार

में शामिल हैं। सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म इतिहास के उन किस्सों को जनता के सामने खोलने आ रही है, जिनसे लोग आज भी अनजान है। 1990 के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर बनी इस फिल्म का ट्रेलर रोंगटे खड़े करता है। गर्वनर सीधे उस दौर में ले जाती है, जब भारत देश कंगाली और दिवालिया होने की कगार पर खड़ा था। गिरती अर्थव्यवस्था के कारण लोग सड़कों पर उतर आए थे, खुदकुशी करने पर मजबूर थे। ऐसे ही काले पन्नों को ट्रेलर में बखूबी दिखाया गया है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है और देश के पूर्व गवर्नर एस वेंकिटरमणन से प्रेरित बताई जा रही है। मनोज ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर का शांत और दमदार किरदार निभाया है। गर्वनर की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्य और विपुल शाह ने मिलकर लिखी है। निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है। जावेद अख्तर ने गीत लिखे हैं, जबकि अमित त्रिवेदी का संगीत है। फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा और कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य विधाता से होगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों का रुख करेंगी।

पोषण की कमी के संकेत देते हैं ये 5 लक्षण, न करें नजरअंदाज

पोषण की कमी शरीर की स्थिति है, जो तब होती है जब शरीर को अपने रोजाना के कामों के लिए जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। पोषण की कमी एक गंभीर समस्या है और इससे शरीर के कई हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। आइए आज हम आपको पोषण की कमी के कुछ लक्षण बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इन लक्षणों के आधार पर आप समय पर उपचार कर सकते हैं।

वजन का कम होना

अगर आपका वजन बिना किसी खास कारण के लगातार कम हो रहा है तो यह पोषण की कमी का एक प्रमुख संकेत हो सकता है। आमतौर पर यह संकेत उन लोगों में अधिक देखने को मिलता है, जो पर्याप्त पोषक तत्व नहीं ले रहे हैं या जिनके खाने में जरूरी विटामिन और खनिज की कमी होती है। इस स्थिति में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है ताकि सही इलाज मिल सके।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको अक्सर थकान और कमजोरी महसूस होती है तो यह भी पोषण की कमी का एक लक्षण हो सकता है, खासतौर से अगर यह लंबे समय तक बनी रहती है और आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को प्रभावित कर रही हो तो इसे नजरअंदाज न करें। इसके लिए अपनी खाने में अधिक मात्रा में फल, सब्जियां और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके अलावा पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम भी जरूरी है।

त्वचा का रंग पीला पड़ना

अगर आपकी त्वचा का रंग पीला पड़ रहा है और आपको त्वचा पर सूखापन या छिलके पड़ रहे हैं तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन बी12 की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, दही, पनीर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। इसके अलावा सोया उत्पादों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

बालों का झड़ना

अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं या उनकी बढ़त रुक गई है तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन–डी और आयरन की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दूध, दही, पनीर जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करने चाहिए। इसके अलावा सोया उत्पादों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

बार–बार बीमार पड़नाः अगर आप बार–बार बीमार पड़ रहे हैं या आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है तो यह भी पोषण की कमी का संकेत हो सकता है। खासतौर से विटामिन–सी और जिंक की कमी होने पर ऐसा होता है। इसके लिए आपको अपनी खाने में संतरा, नींबू, पपीता आदि फल शामिल करने चाहिए। इसके अलावा अखरोट, बादाम, काजू आदि सूखे मेवे भी फायदेमंद हो सकते हैं। साथ ही दही, पनीर और सोया उत्पादों का सेवन भी जरूरी है।